सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 335, नई दिल्ली । मंगलवार, 13 फरवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जितना और हारना यह तो आपकी सोच पर निर्भर करता है मान लो तो हार होगी और ठान लो तो जीत होगी।

03 अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने किए रामलला के दर्शन
06 लॉजिस्टिक लागत घटने का परिदृश्य
08 विधानसभा अध्यक्ष का भीलवाड़ा आगमन पर भाजपा ने किया स्वागत,

दिल्ली में ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करने वाले को लाइसेंस लेने में दिक्कत, आखिर क्यों?

हाईलाइट

दिल्ली की सड़को पर जनता को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने वालो से लिखित में बॉन्ड लेकर उसी वाहन द्वारा ड्राइविंग स्किल टेस्ट लेकर ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान करना चाहिए।

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली में सभी जानते है कि दिल्ली में एलएमवी के ड्राइविंग लाइसेंस से ही आप कोई भी एलएमवी श्रेणी (कार, आटो, मिनी बस) का वाहन चला सकता हैं पर सच्चाई कुछ और भी है जिसको शायद परिवहन विभाग दिल्ली के अधिकारी जानते हुए भी मानना ही नहीं चाहते।

*आपकी जानकारी हेतु बता दें

1. एक अच्छा ऑटो चलाने वाला जरूरी नहीं कार भी अच्छे से सड़क पर चला सके
2. एक अच्छी कार चलाने वाला सही ढंग से आटो भी चला सकें
3. आटो और कार को अच्छी तरह चलाने वाला मिनी बस चला सके

पर **दिल्ली में आज नया एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने वालो को सिर्फ कार द्वारा ही ड्राइविंग स्किल टेस्ट पास करने की इजाजत हैं। अब जानने योग्य बात यह है कि क्या इससे दिल्ली की सड़को पर सुरक्षित और विश्वसनीय ड्राइविंग स्किल डेवलपमेंट प्राप्त ड्राइविंग करने वाले उपलब्ध होगे या सड़को पर हादसों को अंजाम देने वाले ड्राइवर?**

दिल्ली की सड़को पर जनता को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने वालो से लिखित में बॉन्ड लेकर उसी वाहन द्वारा ड्राइविंग स्किल टेस्ट लेकर ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान करना चाहिए।

आटो चलाने वाले से आटो द्वारा टेस्ट

कार चलाने वालों से कार द्वारा टेस्ट और

मिनी बस, टेम्पो आदि चलाने वालों से उसी एलएमवी श्रेणी के वाहन से टेस्ट लेना अनिवार्य करना चाहिए।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को भी एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस से आटो को बाहर कर ई रिक्शा की तरह ऑटो चालक के अलग श्रेणी आटो को लागू करना चाहिए।

परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र
Title Code : DELHIN28985
PARIVAHAN VISHESH NEWS

1. Web Portal https://www.newsparivahan.com/
2. facebook https://www.facebook.com/newsparivahan00
3. Twitter https://twitter.com/newsparivahan
4. Linkedin https://www.linkedin.com/in/news-parivahan-169680298/
5. Instagram https://www.instagram.com/news_parivahan/
6. Youtube https://www.youtube.com/@NewsParivahan

पर आप सभी के लिए 24 घण्टे उपलब्ध

3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, A-4 पश्चिम विहार, नई दिल्ली : 110063
सम्पर्क : 9212122095, 9811732095

www.newsparivahan.com, www.newstransport.in
Info@newsparivahan. com, news@newsparivahan.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने राजस्थान को दी बड़ी सौगात, जयपुर-दिल्ली के बीच चलेगी इलेक्ट्रिक केबल बस

परिवहन विशेष न्यूज

जयपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को राजस्थान को बड़ी सौगात दी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने उदयपुर में एक कार्यक्रम में प्रदेश में ढाई हजार करोड़ रुपए की 17 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री एवं पीडब्ल्यूडी मंत्री दीया कुमारी ने भी शिरकत की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री गडकरी ने 1613 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण किया।

इनमें चित्तौड़-उदयपुर खंड के 6 लेन का निर्माण, ब्यावर आसींद खंड का 2 लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, आसींद-मांडल खंड 2 लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, ब्यावर-गोमती खंड (बघाना से मादा बस्सी) 4 लेन का निर्माण और भमरासिया से मोड़ी कुराबड़ सड़क एमडीआर 150 का चौड़ाइक रण कार्य शामिल हैं। इसी कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने 887 करोड़ रुपए की 12 परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

इनमें गागरिया मुनाबाव खंड का 2 लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, सांचौर शहर में एलिवेटेड राजमार्ग का निर्माण, साकरोढा-मेंनार सड़क का चौड़ाइकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य, बालूखल से आमलावाडा-अली मोखमपुरा सड़क का चौड़ाइकरण कार्य, चैनपुरा फाटक, झिलाई फाटक टोंक, रीको फाटक भरतपुर, हिंडौन फाटक, हरसोली फाटक, डबल फाटक अलवर, सांचौर फाटक सांचौर पर सेतु बंधन परियोजना के तहत रेलवे क्रॉसिंग पर 7 पुलों का निर्माण कार्य भी शामिल हैं।

जयपुर को दी यह सौगात

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गडकरी (Union Minister Nitin Gadkari) ने जयपुर और दिल्ली के बीच इलेक्ट्रिक केबल बस चलाने की भी घोषणा की। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे को जयपुर से जोड़ा जाएगा। इसके लिए काम चल रहा है। यही नहीं, आने वाले दिनों में इलेक्ट्रिक केबल की मदद से जयपुर और दिल्ली के बीच बसें चलेंगी। इन बसों में सुविधाएं हवाई जहाज जैसी होंगी और इनमें किराया डीजल से चलने वाली बसों के मुकाबले करीब 30 फीसदी सस्ता होगा। इसके अलावा, इन बसों में यात्रियों को स्नैक्स भी मिलेंगे।

विदेश यात्रा के बाद आया यह आइडिया

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ समय पहले वह चेक गणराज्य की यात्रा पर गए थे। वहां उन्होंने इलेक्ट्रिक केबल की मदद से बसों को चलते देखा तो भारत में भी ऐसी ही बसें चलाने का आईडिया आया। इस आइडिया के बाद ही उन्होंने जयपुर से दिल्ली के बीच यह बस चलाने की घोषणा की है। इसके लिए सड़क पर रेलवे ट्रेक की तरह बिजली की केबल बिछाई जाएगी। केबल का काम पूरा होने के बाद तीन बसों को आपस में जोड़कर चलाया जाएगा।

दिल्ली के बॉर्डर पर बैरिकेडिंग... कई रास्ते बंद, सीमाओं पर पुलिस का पहरा; किसान आंदोलन पर पढ़ें ट्रैफिक एडवाइजरी

राजधानी में घुसने वाले सभी सीमाओं पर कंटीले तार मिट्टी से भरी बोरियां जर्सी बैरियर (सीमेंट के बैरिकेड्स) लोहे के बैरिकेड्स रोड रोलर पत्थरों से लगे डंपर पत्थरों से भरे कंटेनर व सड़कों पर बिछाने के लिए लोहे की कीलें आदि सामान इकट्ठा करने में जुटी हुई है। किसानों के दिल्ली कूच को देखते हुए पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। 13 फरवरी को किसानों के दिल्ली चलो ऐलान के बाद सीमाओं पर चौकसी बढ़ गई है। साथ ही 2021 जैसी घटना न हो, उसको देखते हुए दिल्ली में 12 मार्च तक धारा 144 लगा दी गई है। इसके अलावा दिल्ली की सभी सीमाओं पर पुलिस का सख्त पहरा है।

राजधानी में घुसने वाले सभी सीमाओं पर कंटीले तार, मिट्टी से भरी बोरियां, जर्सी बैरियर (सीमेंट के बैरिकेड्स), लोहे के बैरिकेड्स, रोड रोलर, पत्थरों से लगे डंपर, पत्थरों से भरे कंटेनर व सड़कों पर बिछाने के लिए लोहे की कीलें आदि सामान इकट्ठा करने में जुटी हुई है।

गाजीपुर बॉर्डर

किसानों के दिल्ली कूच को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। गाजीपुर सीमा से गाजियाबाद जाने वाले वाहन अक्षरधाम मंदिर के सामने से पुश्ता रोड या पटपड़गंज रोड/मदर डेयरी रोड या चौधरी चरण सिंह मार्ग आइएसबीटी आनंद विहार और यूपी गाजियाबाद में महाराजपुर या अप्सरा सीमा से बाहर निकल सकेंगे।

टिकरी बॉर्डर

ट्रैफिक एडवाइजरी के मुताबिक, एनएच-44 के माध्यम से सोनीपत, पानीपत, करनाल आदि की ओर जाने वाली अंतरराज्यीय बसें आईएसबीटी से मजनू का टीला से सिग्नेचर ब्रिज से खजूरी चौक से लोनी बॉर्डर से खेकड़ा के रास्ते केएमपी तक जाएंगी।

इसके अलावा एनएच-44 डीएसआईआईडीसी कट से हरीशचंद्र अस्पताल रेड लाइट से सेक्टर-ए/5 रेड लाइट से रामदेव चौक तक जा सकते हैं। बहादुरगढ़, रोहतक आदि की ओर जाने वाले वाहन चालक डीएसआईआईडीसी कट से बवाना रोड की ओर कंझावला टी-प्वाइंट से कंझावला चौक तक डा. साहिब सिंह वर्मा रोड से झंडा चौक/घेवरा तक जा सकते हैं और सांवधा गांव के रास्ते निज़ामपुर सीमा तक पहुंच सकते हैं।

इसके साथ ही मुकरबा चौक से मधुबन चौक, भगवान महावीर रोड से रिठाला से पंसाली चौक, हेलीपैड से यूईआर-II से कंझावला रोड- कराला टी-प्वाइंट कंझावला चौक से जौंती गांव तक, जौंती बार्डर तक बाहरी रिंग रोड भी ले सकते हैं और प्रवेश कर सकते हैं। हरियाणा के गांव बामनोली में और नाहरा-नाहरी के रास्ते आगे जा सकते हैं।

हरियाणा जाने के लिए 4 रूट निर्धारित

डाबर चौक - मोहन नगर - गाजियाबाद हापुड रोड - जीटी रोड - दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे - डासना - ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से यात्रा हो सकती है।

इंद्रपुरी लोनी - पूजा पावी- पंचलोक - मंडोला - मसूरी - खेकड़ा (29 किमी) ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से जा सकते हैं।

दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन से पूजा पावी से पंचलोक - मंडोला- मसूरी - खेकड़ा पूर्वी पेरिफेरल एक्सप्रेसवे भी विकल्प हो सकता है।

ट्रोनिका सिटी मार्ग से दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे होते हुए मंडोला - मसूरी - खेकड़ा - ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से जा सकते हैं।

पंजाबी बाग से आने वाले वाहन चालक पीरागढ़ी चौक से बाएं मुड़ें नजफगढ़ रोड (8 किमी) तक - दाएं मुड़ें उत्तम नगर चौक- द्वारका मोड़-तुरा मंडी-नजफगढ़ फिरनी रोड से बाएं मुड़ें-छावला स्टैंड-दाएं मुड़ें ढांसा स्टैंड -दाएं मुड़ें बहादुरगढ़ स्टैंड - बाएं मुड़ें नजफगढ़ बहादुरगढ़ रोड--झड़ौदा बार्डर बहादुरगढ़ की तरफ जाएंगे।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

मारूति कंपनी गाडियों के बाद बनाएगी इलेक्ट्रिक हेलिकॉप्टर 'स्काईड्राइव' सस्ते में यात्रा का ऐलान

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। मारूति कंपनी ने बडा ऐलान किया है।कंपनी सुजुकी के साथ मिलकर इलेक्ट्रिक हेलिकॉप्टर का निर्माण करेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी की ओर से दी गई जानकारी मे बताया गया है कि मारूति द्वारा डेवलप किए जाने वाला इलेक्ट्रिक एयर हेलिकॉप्टर ड्रोन से बडे लेकिन पारंपरिक हेलिकॉप्टर से छोटे होंगे। जिनमें पायलट समेत कम से कम तीन यात्रियों को ले जाने की क्षमता होगी। आने वाला वक्त हवाई टैक्सियों का युग है।ये हवाई टैक्सियां परिवहन में क्रांति लाए जाने का सूचक है। मारूति के इस कदम का उद्देश्य भारत में विस्तार करने से पहले शुरूआत में जापान और अमेरिका के बाजार में एंट्री करने की है।माना जा रहा है कि आने वाले समय में एयर टैक्सियां ही परिवहन के नए लेबल पर ले जाएगी। अभी जिस तरह से ऊबर और औला कारोबार की तरह, ये हवाई टैक्सियां परिवहन में क्रांति ला सकती है। बता दें कि मारूति न केवल बिक्री के लिए भारतीय बाजार तलाशने पर फोकस कर रही है।बल्कि विनिर्माण लागत कम करने के लिए भारत मे विनिर्माण पर भी विचार कर रही है। मारूति सुजुकी इलेक्ट्रिक' एयर कॉप्टर 'को स्काईड्राइव नाम दिया जाएगा। मोटर और रोटर्स की 12 ,इकाईयों से सुसज्जित, इसके जापान में 2025 ओसाका एक्सपो में प्रदर्शित होने की उम्मीद है। शुरूआत में बिक्री के मद्देनजर जापान और अमेरिका पर होगा। लेकिन मारुति की योजना अंततः 'मेक इन इंडिया' पहल के माध्यम से इस तकनीक को भारत लाने की है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 1.4 टन के साथ, एयर कॉप्टर एक पारंपरिक हेलिकॉप्टर के वजन का लगभग आधा होगा।अपने कम वजन के कारण, यह उडान भरने और उतरने के लिए इमारत की छतों का उपयोग कर सकता है।इससे आम लोगो को भी स्काईड्राव का सपना आसानी से पूरा होगा। कम लागत होने के कारण फेयर कॉस्ट कम रहने की उम्मीद है।

इनसाइड

इस उम्र के बाद हर महिला जरूर कराएं ये टेस्ट, कैंसर से बचने की होगी गारंटी,अन्य बीमारियों का पता भी

पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है. पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है.

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2020 में एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर के कारण हुई है. हर 6 में से एक मौत कैंसर से होती है. इनमें से सबसे ज्यादा संख्या ब्रेस्ट कैंसर से होने वाली मौतों की है. इसके बाद महिलाओं में सबसे ज्यादा मौत सर्वाइकल कैंसर या गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से होती है.

डब्ल्यूएचओ के ही आंकड़ों के मुताबिक सर्विकल कैंसर से हर साल 5.30 लाख महिलाओं की मौत होती है. सर्वाइकल कैंसर की सबसे बड़ी वजह एचपीवी वायरस है. चिंता की बात यह है कि यह वायरस कई वर्षों तक महिलाओं के प्रजनन अंगों में निष्क्रिय रहकर फिर से सक्रिय हो सकता है. यही कारण है कि डॉक्टर 21 साल की उम्र से अधिक की सभी महिलाओं को नियमित रूप से पैप स्मीयर टेस्ट कराने की सलाह देते है.

पैप स्मीयर टेस्ट या पैट टेस्ट महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए किया जाता है. इस टेस्ट के लिए महिलाओं की सर्विक्स से कोशिकाओं से सैंपल निकाला जाता है और इसका विश्लेषण किया जाता है. इससे महिलाओं के प्रजनन अंगों में अन्य चीजों के बारे में पता लगाया जा सकता है.

क्यों करानी जरूरी है सर्वाइकल कैंसर की जांच

मायो क्लिनिक के मुताबिक महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर बहुत ही गंभीर बीमारी है जिसमें अधिकांश मरीजों की मौत हो जाती है. सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के प्रजनन अंगों यानी गर्भाशय के मुंह पर होता है. सर्वाइकल कैंसर की मुख्य वजह ह्यूमन पेपिलोमावायरस (human papillomavirus) है. यह वायरस फिजिकल रिलेशन बनाने वाली हर महिला में होता है. आमतौर पर इम्यून सिस्टम इस वायरस को खत्म कर देता है या रहता भी है तो कोई नुकसान नहीं पहुंचाता. लेकिन किसी-किसी महिलाओं में यह वायरस गर्भाशय ग्रीवा के पास लंबे समय तक निष्क्रिय हो जाता है और वर्षों बाद कभी भी सक्रिय हो जाता है. पैप स्मीयर टेस्ट से यह पता लगाया जाता है कि यह वायरस भविष्य में कैंसर तो नहीं दे सकता. अगर वायरस में कैंसर फैलाने की क्षमता होती है तो इसे हटाकर महिलाओं को मौत के मुंह से बचाया जा सकता है.

किसे कराना चाहिए यह टेस्ट

आमतौर पर डॉक्टर 21 से 65 साल के बीच हर महिलाओं को पैप स्मीयर टेस्ट कराने की सलाह देते हैं. हालांकि यह डॉक्टर बताते हैं कि पैप स्मीयर टेस्ट कराने का समय क्या है. आमतौर पर प्रति तीन साल में एक बार यह टेस्ट कराने के लिए कहा जाता है. 30 साल से उपर की महिलाओं को एचपीवी टेस्ट के साथ प्रति पांच साल में एक बार यह टेस्ट जरूर कराना चाहिए. लेकिन अगर महिलाओं में गर्भाशय से संबंधित जटिलताएं हैं तो डॉक्टर जल्दी-जल्दी भी यह टेस्ट कराने की सलाह देते हैं. अगर इम्यून सिस्टम कमजोर है, एचआईवी है, स्मोकिंग करती हैं, स्टेरॉयड का इस्तेमाल करती हैं तो ऐसी महिलाओं को जल्दी-जल्दी जांच की जरूरत पड़ती है.

जांच में क्या होता है

पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है. इस प्रक्रिया के दौरान डॉक्टर संभावित प्रीकैंसर कोशिकाओं को काटकर हटा भी देती हैं. इस टेस्ट से गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं में किसी असामान्य बदलावों का पता लगाना होता है ताकि यह पता लगाया जा सके भविष्य में सर्विक्स में कैंसर होने का खतरा तो नहीं है. चूंकि सर्वाइकल कैंसर के लक्षण सालों तक बाहर नहीं दिखते।

इसलिए इस टेस्ट को नियमित रूप से कराने की जरूरत पड़ती. इससे लाखों महिलाओं की जान बचाई जा सकती है. हालांकि सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन आ गई और सरकार टीनएज में ही इस वैक्सीन को देने की योजना बना रही है.

कहीं आपको तो नहीं है सुपर वुमन सिंड्रोम? 5 तरीके से करें डील, आसान बनेगी लाइफ

सुपर वुमन सिंड्रोम यानी कि महिलाओं द्वारा हर क्षेत्र में बेहतर करने की कोशिश. दरअसल, कई ऐसी महिलाएं हैं जो एक साथ घर बाहर सम्हाल रही हैं और इन जिम्मेदारियों को पूरी तरह से निभाने में इस कदर व्यस्त हो चुकी हैं कि उनके पास खुद के लिए ना तो वक्त होता है और ना ही एनर्जी. इसके बाद भी उन्हें इस बात को लेकर अवसाद रहता है कि वे अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से नहीं निभा पा रहीं.

तेजी से भागती जिंदगी ने अगर किसी किसी के लाइफ को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह है आज की कामकाजी महिलाएं. वे महिलाएं, जो रात दिन एक कर काम कर रही हैं और हर क्षेत्र में अव्वल रहने की कोशिश में अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रही हैं. कुछ महिलाओं पर तो खुद को हर काम में बेहतर दिखने का सनक तक सवार हो जाता है. दरअसल विज्ञान में इसे एक मानसिक बीमारी कहा जाता है जिसे सुपर वुमन सिंड्रॉम नाम दिया गया है. आपको बता दें कि यह एक तरह का अवसाद है जिसमें महिलाएं किसी काम को परफेक्ट ना कर पाने की वजह से आत्मग्लानि की शिकार हो जाती हैं.

शीदपीपल के मुताबिक, भारतीय समाज में महिलाओं पर एक मानसिक दबाव होता है जिसमें उसके पास सुपरवुमन बनना मजबूरी बन जाती है. समाज महिलाओं से उम्मीद करता है कि वह करियर के साथ साथ अपने घर की देखभाल, परिवार का पालन पोषण और बच्चे की परवरिश आदि की जिम्मेदारी सही तरीके से निभाए और हर उम्मीदों पर खरा उतरे. ऐसा ना होने पर उसमें कमियां निकाली जाती हैं और परिवार में तकरार शुरू हो जाता है.

महिला के कंधों पर इतनी जिम्मेदारियां उसके मानसिक और शारीरिक सेहत को नुकसान पहुंचाता है. अगर आप भी इन दिनों ऐसा महसूस कर रही हैं या बेहतर ना कर पाने की वजह से अवसाद में हैं तो हो सकता है कि आप इस बीमारी की चपेट में हों. इससे बचाव के लिए आप कुछ उपायों को आजमाएं और अंतर महसूस करें. सबसे पहले तो इस सिंड्रोम से बचने के लिए आत्म-अनुशासन अपनाएं. आप अनुशासित तरीके से हर काम को रुटीन से करें और उस रुटीन में खुद के लिए भी जरूरी वक्त निकालें. ये काम ऐसे हों जो आपको आनंद देते हों या आप इन्हें करना पसंद करती हैं.

भागदौड़ भरी जिन्दगी में थोड़ा ठहराव भी जरूरी है. इसके लिए अपनी प्राथमिकताओं की लिस्ट बनाएं और यह सुनिश्चित करें एक समय में एक ही काम करना है. मसलन, घर पर ऑफिस का काम न करें और ऑफिस जाकर घर की चिंता ना करें. अगर आप हाल ही में मां बनी हैं तो अपने बच्चे को प्राथमिकता दें और खुद के निर्णयों को लेकर पॉजिटिव सोच रखें.

अगर आप अवसादमुक्त जीवन चाहती हैं तो इसके लिए जरूरी है कि आप अपने रुटीन में सकारात्मक बदलाव लाएं. यह बदलाव आप सुबह की वॉकिंग से कर सकती हैं. आप अगर वॉक के लिए बाहर नहीं जा पा रहीं तो योगा मैट खरीदें और घर पर आधा घंटा खुद के लिए वक्त निकालें. इस तरह आप बेहतर महसूस करेंगी और शरीर में हैप्पी हार्मोन्स रिलीज होने से दिनभर खुश रहेंगी. इसके अलावा अपने सोने का टाइम फिक्स करें, हेल्दी डाइट लें

बसंत पंचमी:- 14 फरवरी 2024, बुधवार, मां सरस्वती देवी का पूजन

माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। इस दिन से वसंत ऋतु की शुरुआत हो जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन विद्या, ज्ञान और बुद्धि की देवी मां सरस्वती की पूजा का विधान है। बसंत पंचमी को बागीशवरी जयंती और श्रीपंचमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मांगलिक कार्य जैसे- मुंडन संस्कार, नई विद्या आरंभ करना, नया कार्य शुरू करना, अन्नप्राशन संस्कार, गृह प्रवेश आदि शुभ काम करना फलदायी होता है। इसके अलावा, विवाह के लिए भी इस दिन को बेहद शुभ माना जाता है।

बसंत पंचमी तिथि और मुहूर्त-:

बसंत पंचमी तिथि-: 14 फरवरी 2024 बुधवार को दोपहर 12:10 तक रहेगी।

पूजा का शुभ मुहूर्त-:
लाभ का चौघड़िया-:
सुबह 7:00 बजे से सुबह 8:24 तक

अमृत का चौघड़िया-:
सुबह 08:24 से सुबह 09:45 तक

शुभ का चौघड़िया-:
सुबह 11:15 से सुबह 12:10 तक

शुभ योग में मनाई जाएगी बसंत पंचमी-:
इस बार बसंत पंचमी पर ₹शुभ₹ नामक योग रहेगा। यह योग मांगलिक कार्यों के लिए अच्छा होता है।

बसंत पंचमी पूजा विधि-:

बसंत पंचमी के दिन सुबह स्नान आदि करके पीले या सफेद रंग के कपड़े पहने। उसके बाद सरस्वती पूजा का संकल्प लें।

फिर, पूजा स्थान पर मां सरस्वती की मूर्ति या तस्वीर को स्थापित करें। लेकिन उससे पहले भगवान गणेश जी की मूर्ति स्थापित करें क्योंकि गणेश जी प्रथम पूज्य हैं और इसके बाद उनको फूल, अक्षत, धूप, दीप आदि अर्पित करें।

अब मां सरस्वती को गंगाजल व दूध से स्नान कराएं और फिर उन्हें पीले वस्त्र पहनाएं।

इसके बाद देवी को पीले फूल, अक्षत, सफेद चंदन या पीले रंग की रोली, पीला गुलाल, धूप, दीप आदि अर्पित करें और मां शारदा को गेंदे के फूल की माला पहनाएं।

इस दिन मां सरस्वती को बेसन के लड्डू या कोई भी पीले रंग की मिठाई का भोग लगाएं।

अब सरस्वती वंदना व मंत्र से मां सरस्वती की पूजा करें। साथ ही, सरस्वती मंत्रों का जाप भी कर सकते हैं।

पूजा के अंत में हवन और आरती करें।

बसंत पंचमी पर इन बातों का रखें ध्यान-:

इस दिन संभव हो तो पीले वस्त्र पहने क्योंकि ऐसा करना शुभ माना जाता है।

विद्यार्थियों को सरस्वती पूजा के दिन पुस्तकें, कलम, पेंसिल आदि की भी पूजा करनी चाहिए।

बसंत पंचमी के दिन सुबह उठते ही अपनी हथेलियों को जरूर देखें। माना जाता है कि मां सरस्वती हमारी हथेलियों में वास करती हैं।

बसंत पंचमी के दिन शिक्षा से संबंधित चीजों का दान करना बेहद शुभ माना जाता है।

विद्या आरंभ के लिए बसंत पंचमी का दिन श्रेष्ठ रहेगा, अतः आप अपने बच्चों का आज शुभ मुहूर्त पर विद्या आरंभ संस्कार कर सकते हैं।।

इन 5 बातों से अपराधबोध महसूस करती हैं महिलाएं, खुद को इस तरह रखें पॉजिटिव

कई बार ऐसा होता है कि हम किसी का नुकसान कर बैठते हैं या कुछ ऐसा करते हैं जिससे परिवार, दोस्त या समाज आपके इस काम से आहत हो सकता है, तो अपराधबोध का होना सामान्य बात है. लेकिन अगर आप एक महिला हैं और अपने बेहतर भविष्य के लिए कुछ अच्छा करने के लिए सोच रही हैं तो लेकिन इसकी वजह से आपको अपराधबोध महसूस हो रहा है तो यह आपके लिए परेशानी की वजह हो सकता है.

समाज ने महिलाओं की सोच को इस तरह बना दिया है कि एक महिला अगर खुद के लिए कुछ करती है तो उसे सेल्फिश होने की कैटेगरी में रख दिया जाता है. इस वजह से वे जो भी कुछ करना चाहती है, उस विषय पर इतना अधिक सोचने लगती हैं कि वे अंत में अपराधबोध महसूस करने लगती हैं. समाज में महिलाओं के अच्छे होने और बुरे होने की कैटेगरी को इस तरह बना दिया गया है कि जिसमें महिलाएं आसानी से ट्रैप हो जाती हैं और खुद को समाज के मापदंड के हिसाब से आंकने लगती हैं. जो आगे चलकर उनके खुद के लिए खतरनाक साबित हो सकता है.

सबसे पहले बात आती है सेल्फकेयर की. जी हां, यह देखा जाता है कि अगर कोई महिला अपने लिए समय निकालती है और खुद को बेहतर बनाने के लिए कुछ करती है तो उसे सेल्फिश की कैटेगरी में डाल दिया जाता है. जबकि महिलाओं को यह जानना जरूरी है कि महिलाएं अगर खुद का ख्याल नहीं रखेंगी तो भला औरों का केयर कैसे कर पाएंगी.

महिलाएं अपने करियर ऑप्शन चुनने को लेकर भी कई बार गिल्ट महसूस करने लगती हैं. मसलन, अगर महिला फोर्स में किसी पोस्ट पर है या उसे रात में ड्यूटी पर दफ्तर जाना पड़ता है, तो मन ही मन वह अपराधबोध महसूस करती है और हर तरह की गलती की वजह खुद को मानने लगती है. लेकिन आपको यह समझना होगा कि हर करियर में ऐसी चुनौतियां होती हैं, जब आप अपने पैरों पर बेहतर तरीके से खड़ी होंगी और ऐसी चुनौतियों का सामना करेंगी तब ही अन्य लोगों के लिए भी सहारा बनेंगी.

अपने मेंटल हेल्थ का ख्याल रखना या थेरेपिस्ट की मदद लेना स्टिगमा बन गया है. लेकिन अगर आप मेंटली थकान महसूस कर रही हैं और परेशान हैं तो आपको जरूर अपने मेंटल हेल्थ के लिए मदद लेनी चाहिए. कई महिलाएं इस बात को लेकर भी अपराधबोध में दबने लगती हैं कि यह सब फिजूल बातें हैं.

किसी को 'ना' कहना भी कई बार महिला के लिए मुश्किल हो जाता है और ऐसा करने पर वह अपराधबोध महसूस करने लगती है. लेकिन आपको बता दें कि अगर कोई आपसे वह काम कराना चाह रहा है जो गलत है या जो आपको या किसी को नुकसान पहुंचा सकता है तो आप बिल्कुल 'ना' कहें. याद रखिए कि 'ना' कहना स्वार्थी होना नहीं है.

'कई राज्य में सीट देने को तैयार नहीं कांग्रेस', जेडीयू नेता ने I.N.D.I.A पर कही बड़ी बात

परिवहन विशेष न्यूज

हापुड़ के किठौर रोड पर एक विवाह समारोह में जेडीयू नेता केसी त्यागी शामिल हुए थे। इस दौरान वह पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के विपक्षी गठबंधन से बाहर आने के बाद अब विपक्ष के एक-एक करके सभी दल बाहर आ रहे हैं। इसमें पूरी गलती कांग्रेस की है। कई राज्यों में तो गठबंधन को सीट देने को तैयार नहीं है...

हापुड़। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन की आधारशिला थे। नीतीश कुमार के विपक्षी गठबंधन से बाहर आने के बाद अब विपक्ष के एक-एक करके सभी दल बाहर आ रहे हैं। इसमें कांग्रेस की ही पूरी गलती है। जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है। इसके बाद भी कांग्रेसियों में अहंकार है।

सही प्रकार से हो रहा सीट बंटवारा

कांग्रेस गठबंधन में सीटों का बंटवारा सही प्रकार से नहीं कर रही है। कई राज्यों में तो विपक्षी गठबंधन को सीट तक देने के लिए कांग्रेस तैयार नहीं हैं। किठौर रोड पर एक विवाह समारोह में केसी त्यागी शामिल हुए थे। इस दौरान वह पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। केसी त्यागी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन में अब ज्यादा कुछ बचा नहीं है।

एक भी सीट नहीं देना चाहती थी कांग्रेस- JDU

पिछले दो लोकसभा चुनाव हारने के बाद भी कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल भी नहीं बन पाया है। कई राज्यों में सीटों का बंटवारा नहीं हो पा रहा है। कांग्रेस तो गठबंधन के नेतृत्व को भी हड़पना चाहती है। एक भी सीट हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक जैसे राज्यों में जहां कांग्रेस की ताकत है। वहां एक भी सीट कांग्रेस गठबंधन को देना नहीं चाहती थी।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का एक सांसद है। उसके बाद भी 20 सीटों पर वह लड़ना चाहते थे। यही हाल बिहार और पश्चिम बंगाल का भी था। नीतीश कुमार तो खुद चाहते थे कि गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस को करना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं कर पाई। कांग्रेस को जनता रिजेक्ट कर चुकी है। उनका मोदी से कोई मुकाबला नहीं है।

उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी एनडीए में है। जयंत चौधरी का भी एनडीए में स्वागत करते हैं। हमारा पिछड़ा हुआ कुनबा फिर से इकट्ठा हो रहा है। इस दौरान कृपाल सिंह, मदन सैनी, नरेंद्र त्यागी, मुकुल त्यागी आदि मौजूद रहे।

वोटर लिस्ट से कहीं गायब तो नहीं हो गए आप? मतदाता ऐसे चेक करें अपना नाम; निर्वाचन आयोग ने शुरू की तैयारियां

परिवहन विशेष न्यूज

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल तैयारियों में जुटे हैं। राजनीति सरगर्मी भी धीरे-धीरे बढ़ रही है। निर्वाचन आयोग द्वारा भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में दिल्ली में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में मतदाता के लिए भी जरूरी है कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर मतदाता सूची में अपना नाम चेक कर कर लें।

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल तैयारियों में जुटे हैं। राजनीति सरगर्मी भी धीरे-धीरे बढ़ रही है। निर्वाचन आयोग द्वारा भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में दिल्ली में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में मतदाता के लिए भी जरूरी है कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर मतदाता सूची में अपना नाम चेक कर कर लें। कहीं ऐसा न हो कि मतदाता सूची से नाम कट गया हो तो आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान से वंचित भी हो सकते हैं।

पता बदलने पर भी कट जाता है नाम

हाल ही में हुए मतदाता सूची में संशोधन के दौरान तीन लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) द्वारा घर-घर जाकर किए गए सत्यापन के दौरान पते पर मतदाता के नहीं रहने व पता परिवर्तन होने से कटे हैं, जो बहुत बड़ा आंकड़ा है। हम इस पर कोई सवाल खड़े नहीं कर रहे हैं, लेकिन पिछले चुनावों के दौरान यह देखा गया कि विभिन्न मतदान केंद्रों पर कई ऐसे मतदाता अपने मतदान पहचान पत्र के साथ पहुंचते हैं, जिनका नाम मतदाता सूची में कटा होता है। जब वे पर्ची के लिए पोलिंग बूथ पर पहुंचते हैं तब पता चलता है कि उनका नाम डिलीट है।

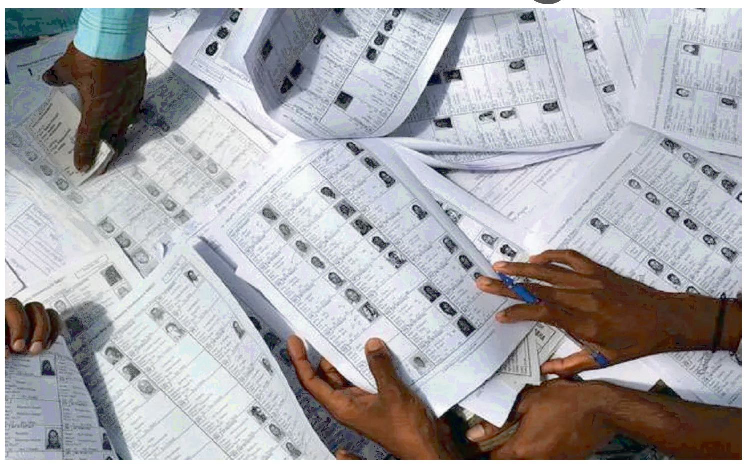

ऐसे में कई लोग मतदान से वंचित रह जाते हैं।

जल्दी दर्ज करा लें मतदाता सूची में अपना नाम

मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए अभी वक्त है। इसलिए लोग दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध मतदाता सूची में अपना चेक कर सकते हैं। यदि कोई दिक्कत हो तो वे नाम शामिल करने के लिए आवेदन दे सकते हैं।

करें ये काम

सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि नाम कटे होने पर हेल्पलाइन नंबर पर भी शिकायत की जा सकती है। मतदाता पहचान पत्र में नाम नहीं होने पर वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से ऑनलाइन या जिला निर्वाचन कार्यालय जाकर नाम शामिल करने के लिए आवेदन दिया जा सकता है।

दिल्ली में मौजूद मतदाता- 1,47,18,119

मतदाता सूची से कटे कुल नाम- 3,97,004

मौत होने के कारण कटे नाम- 56,773

एक से ज्यादा पहचान पत्र होने के कारण कटे नाम- 32,443

पता परिवर्तन के कारण कटे नाम- 3,07,788

सरकार की नई सेवा कॉल 104 नंबर

सरकार की नई सेवा......

आज से भारत में खून की जरूरत के लिए '104' एक विशेष नंबर होगा। "ब्लड ऑन कॉल" इस सेवा का नाम है.. इस नंबर पर कॉल करने के बाद 40 किमी के दायरे में चार घंटे के भीतर रक्त पहुंचा दिया जाएगा.. 450 / प्रति बोतल प्लस परिवहन रु। 100. कृपया इस संदेश को फॉरवर्ड करें। यह सुविधा कई लोगों की जान बचा सकती है। कृपया दूसरे ग्रुप में सर्कुलेट करें।

शराब पीने से मना करने पर दो युवकों ने दोस्त को पीटा, दहशत फैलाने के लिए हवा में चलाई गोलियां

पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में शराब पीने से मना करना एक युवक को भारी पड़ गया। दो दोस्तों ने युवक को जमकर पीटा। दहशत बनाने के लिए हवा में गोली भी चलाई। किसी तरह से वहां से भागकर युवक ने अपनी जान बचाई। पीड़ित अमित जायसवाल की शिकायत पर शास्त्री पार्क थाना पुलिस ने मारपीट धमकी समेत कई धाराओं में प्राथमिकी की है।

पूर्वी दिल्ली। शास्त्री पार्क इलाके में शराब पीने से मना करना एक युवक को भारी पड़ गया। दो दोस्तों ने युवक को जमकर पीटा। दहशत बनाने के लिए हवा में गोली भी चलाई। किसी तरह से वहां से भागकर युवक ने अपनी जान बचाई। पीड़ित अमित जायसवाल की शिकायत पर शास्त्री पार्क थाना पुलिस ने मारपीट, धमकी समेत कई धाराओं में प्राथमिकी की है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी पहचान नमन यादव व दिलदार के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से देसी कट्टा भी बरामद किया है।

दिल्ली एम्स में खत्म हो रही है बड़ी झंझट, भर्ती होने वाले मरीजों को फ्री में मिलेगा स्मार्ट कार्ड

पहले चरण में 12 दिसंबर को संस्थान के कर्मचारियों के कैफेटेरिया में इसे लागू किया गया था। दूसरे चरण में मरीजों के लिए सबसे पहले मातृ एवं शिशु ब्लाक में शुरू कर दिया गया। एम्स मुख्य अस्पताल व अन्य केंद्रों भी जल्दी ही इसे लागू कर दिया जाएगा। एम्स में भर्ती होने वाले सभी मरीजों को यह कार्ड निशुल्क जारी किया जाएगा।

नई दिल्ली। मेट्रो के स्मार्ट कार्ड की तर्ज पर एम्स में इलाज का कैशलेस शुल्क भुगतान के लिए सोमवार को एसबीआई के साथ मिलकर स्मार्ट कार्ड जारी किया गया। इसका नाम एसबीआई एम्स स्मार्ट कार्ड दिया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास और बैंक के अधिकारियों की मौजूदगी में इसे जारी किया।

डिजिटल भुगतान को मिलेगा बढ़ावा

इसके साथ ही एम्स के मातृ एवं शिशु ब्लॉक में इसका इस्तेमाल शुरू कर दिया गया है। इसलिए अब मरीज इस स्मार्ट कार्ड के जरिये एम्स में इलाज का शुल्क कैशलेस भुगतान कर सकेंगे। एम्स के मीडिया डिविजन की प्रभारी डॉ. रीमा दादा ने बताया कि एम्स के मुख्य अस्पताल व विभिन्न केंद्रों में विभिन्न चरणों में इस स्मार्ट कार्ड से इलाज का शुल्क भुगतान की सुविधा शुरू की जाएगी। इससे डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलेगा।

मरीजों से नहीं लिया जाएगा सुरक्षा शुल्क

साथ ही इस पहल से भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगेगा। पहले चरण में 12 दिसंबर को संस्थान के कर्मचारियों के कैफेटेरिया में इसे लागू किया गया था। दूसरे चरण में मरीजों के लिए सबसे पहले मातृ एवं शिशु ब्लाक में शुरू कर दिया गया। एम्स मुख्य अस्पताल व अन्य केंद्रों भी जल्दी ही इसे लागू कर दिया जाएगा। एम्स में भर्ती होने वाले सभी मरीजों को यह कार्ड निशुल्क जारी किया जाएगा। मरीज से सुरक्षा शुल्क भी नहीं लिया जाएगा।

अस्पताल के भूतल, मातृ एवं शिशु ब्लाक और कर्मचारियों के कैफेटेरिया से यह लिया जा सकता है। यह कार्ड अस्पताल के यूएचआईडी (विशेष स्वास्थ्य पहचान नंबर) व आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट) नंबर से जुड़ा होगा। अधिकृत काउंटर से यह कार्ड लेने के लिए मरीज को अपना यूएचआईडी नंबर बताना होगा। इस कार्ड को सक्रिय करने के लिए यूएचआईडी से पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी मिलेगा।

इन तरीकों से स्मार्ट कार्ड को कर सकेंगे टॉपअप

यह ओटीपी दर्ज करने पर कार्ड इस्तेमाल के लिए सक्रिय हो जाएगा। इस कार्ड में पैसा टॉपअप कर इलाज का शुल्क भुगतान किया जा सकेगा। इस कार्ड को नकद राशि, डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड से टॉपअप किया जा सकता है। इसके अलावा मरीज या उनके परिजन ऑनलाइन कहीं से भी पैसा ट्रांसफर कर कार्ड टॉपअप कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि एम्स ने हाल ही में एक आदेश जारी कर कहा था कि अप्रैल तक एम्स में सिर्फ स्मार्ट कार्ड से ही इलाज का शुल्क भुगतान होगा। नकद राशि नहीं ली जाएगी।

अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने किए रामलला के दर्शन, परिवार संग पहुंचे अयोध्या

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री सोमवार को अयोध्या में रामलला के दर्शन करने पहुंचे। दोनों सीएम परिवार के साथ राम मंदिर पहुंचे हैं। आप सूत्रों न कहा कि अरविंद केजरीवाल को 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया गया था लेकिन उन्होंने कहा था कि वह बाद में अपने माता-पिता पत्नी और बच्चों के साथ मंदिर जाना चाहते थे।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री सोमवार को अयोध्या में रामलला के दर्शन करने पहुंचे। दोनों सीएम परिवार के साथ राम मंदिर पहुंचे हैं। आप सूत्रों न कहा कि अरविंद केजरीवाल को 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया गया था, लेकिन उन्होंने कहा था कि वह बाद में अपने माता-पिता, पत्नी और बच्चों के साथ मंदिर जाना चाहते थे।

दर्शन के बाद किया पोस्ट

भगवान श्रीराम के दर्शन करने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री ने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट कर कहा, माता-पिता और अपनी धर्मपत्नी के साथ आज अयोध्या जी पहुंचकर श्रीराम मंदिर में रामलला जी के दिव्य दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एवं उनका परिवार भी साथ रहा। सबने मिलकर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी के दर्शन किए एवं देश की तरक्की के साथ समस्त मानवता के कल्याण की प्रार्थना की। प्रभु श्री रामचंद्र जी सबका मंगल करें। जय श्री राम।

'भारत के गुलदस्ता है'

भगवंत मान ने मीडिया से बात करके कहा कि आज परिवार के साथ भगवान श्री राम के दर्शन किए। बड़े दिनों से इच्छा थी, जो आज पूरी हो गई। भारत देश हमारा धार्मिक आस्था वाला देश है, यहां हर दिन कोई न कोई पर्व या धार्मिक त्योहार मनाया जाता है। सभी धर्मों के लोग इकट्ठे होते हैं।

प्रार्थना की कि देश की तरक्की हो, सुख शांति रहे और सब लोगों में भाईचारा बना रहे। साथ ही मान ने कहा कि भारत एक गुलदस्ता है, जिसके अलग-अलग रंग हैं। हर फूल की एक महक और रंग है।

दिल्ली में दूल्हा-दुल्हनों की बढ़ी चिंता, परिवार-रिश्तेदार नहीं, बराती बनेंगे किसान, कैसे होंगे फेरे!

नरेला के श्याम लाल गुप्ता के बेटे संयम गुप्ता का विवाह 14 फरवरी को सिंघु बॉर्डर (Singhu Border) स्थित सूर्या प्राइम बैंक्वेट हॉल में है। वधु पक्ष को नोएडा से आना है। श्याम लाल के साथ ही उनके स्वजनों में इस वक्त खुशियों के संगीत पर थिरकते रहना चाहिए लेकिन वे सभी चिंतित हैं। मंगलवार से आंदोलनकारी किसानों के दिल्ली कूच करने की घोषणा ने उनकी यह चिंता बढ़ा दी है

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। नरेला के श्याम लाल गुप्ता के बेटे संयम गुप्ता का विवाह 14 फरवरी को सिंघु बॉर्डर (Singhu Border) स्थित सूर्या प्राइम बैंक्वेट हॉल में है। वधु पक्ष को नोएडा से आना है। श्याम लाल के साथ ही उनके स्वजनों में इस वक्त खुशियों के संगीत पर थिरकते रहना चाहिए, लेकिन वे सभी चिंतित हैं।

मंगलवार से आंदोलनकारी किसानों के दिल्ली कूच करने की घोषणा ने उनकी यह चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि पिछली बार जब किसान आंदोलन हुआ था तब सिंघु बॉर्डर सर्वाधिक प्रभावित था। सूर्या बैंक्वेट के प्रबंधक जोगिंदर सिंह के अनुसार, तब उनका यह बैंक्वेट हॉल आंदोलनकारी किसानों के लिए आंदोलन स्थल बन गया था।

10 किमी के दायरे में बैंक्वेट हॉल

सिंघु बॉर्डर के दूसरी ओर हरियाणा का पानीपत जिला लगता है। दोनों ओर करीब 10 किमी के दायरे में 100 से अधिक बैंक्वेट हाल, मोर्टल और रिजॉर्ट हैं। इन एक-एक शादी स्थलों में इस सीजन में 30 से 50 शादियों तक की बुकिंग है।

ऐसे में श्याम लाल गुप्ता अकेले चिंतित नहीं हैं, बल्कि ऐसे सैकड़ों फोन और बुकिंग कराने वाले लोगों की पूछताछ सिंघु बॉर्डर स्थित बैंक्वेट हालों में बढ़ गई है। इसी तरह का हाल कमोबेश दिल्ली के अन्य बॉर्डर के आस-पास स्थित बैंक्वेट हाल और अन्य शादी स्थलों की है।

यह है स्थिति

किसानों के आंदोलन और दिल्ली कूच की घोषणा ने परिणय सूत्र में बंधने जा रहे दिल्ली-एनसीआर के हजारों वर-वधुओं की चिंता बढ़ा दी है। क्योंकि, दिल्ली में अधिकतर बैंक्वेट हाल, मोटल व फार्म हाउस बॉर्डर क्षेत्र में स्थित है, जहां पिछले आंदोलन में किसानों ने

तकरीबन डेढ़ वर्ष तक डेरा डाल रखा था।

अभी जबकि शादियों का मौसम चल रहा है और इन विवाह स्थलों में आने वाले दिनों में खूब शादियां हैं, तब यहां बुकिंग कराने वाले वर-वधु के परिवार चिंता में आ गए हैं। अगर आंदोलनकारी किसान फिर आकर बॉर्डर पर बैठते हैं तो न सिर्फ जाम की स्थिति बन जाएगी, बल्कि बहुत हद तक अंदेशा है कि उधर को जाना भी प्रतिबंधित हो जाएगा, जिससे शादी के लिए ऐन वक्त पर स्थल बदलना पड़ सकता है।

वसंत पंचमी पर ही दिल्ली-एनसीआर में 40 हजार शादियां

वसंत पंचमी पर 14 फरवरी को दिल्ली-एनसीआर में 40 हजार से अधिक शादियां है, जिसमें से 500 के करीब शादियां ऐसे स्थानों पर है, जो बॉर्डर व आसपास स्थित है। चिंतित वह भी हैं जिनके यहां बारात और बाराती दूसरे राज्यों से आने हैं।

गुलाबी बाग स्थित एक बैंक्वेट हॉल में भावना सिंह की शादी भी 14 फरवरी की है, जिनके कई रिश्तेदार, नोएडा व गुरुग्राम समेत उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों में रहते हैं। इनमें से कई आने बाकि है। उनके लगातार फोन आ रहे हैं कि वे अपने वाहन से दिल्ली आ सकते हैं कि नहीं।

ला फ्लोरेंस वेडिंग प्लानर के मालिक विक्रमजीत शर्मा के अनुसार बहुत से बारातियों को पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश समेत दूसरे राज्यों से आना है। इसलिए अब शादियों के स्थल में भी बदलाव पर विचार होने लगा है।

पिछली बार कोरोना के साथ ही किसान आंदोलन की दोहरी मार पड़ी थी, जिससे अभी तक बॉर्डर में स्थित बैंक्वेट हाल वाले नहीं उबर सके हैं। अब फिर से उनके आंदोलन और दिल्ली में आने की घोषणा से हम सभी चिंतित हैं। क्योंकि ऐसा होता है तो फिर इनपर ताला लग जाएगा। सरकार और किसान नेताओं को हमारी चिंताओं को भी देखना चाहिए। -रमेश डांग, अध्यक्ष, कम्युनिटी वेलफेयर बैंक्वेट एसोसिएशन।

मनीष सिसोदिया को दिल्ली की कोर्ट से बड़ी राहत, 3 दिन के लिए जेल से बाहर आएंगे आप नेता

आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया को सोमवार को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने तीन दिन की अंतरिम जमानत दे दी है। सिसोदिया को दिल्ली की कोर्ट ने लखनऊ में 13 से 15 फरवरी तक भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत दी है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया को सोमवार को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने तीन दिन की अंतरिम जमानत दे दी। सिसोदिया को दिल्ली की कोर्ट ने लखनऊ में भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए बड़ी राहत दी है।

कोर्ट से सिसोदिया को बड़ी राहत

विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया को राहत देते हुए अंतरिम जमानत दी है। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने 14 फरवरी को लखनऊ में मनीष सिसोदिया को उनकी भतीजी के विवाह समारोह में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत की मांग याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

14 फरवरी को भतीजी की है शादी

इसके बाद शाम 4 बजे दिल्ली की कोर्ट ने आप नेता को बड़ी राहत देते हुए तीन दिन की अंतरिम जमानत मंजूर कर ली है। मनीष सिसोदिया लखनऊ में 14 फरवरी को अपनी भतीजी के शादी के कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्हें सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया था।

पिछले साल फरवरी में हुई थी गिरफ्तारी

बता दें कि मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने आबकारी नीति से जुड़े घोटाले के मामले में 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। वहीं सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 9 मार्च को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार कर लिया, तब से वह जेल में बंद हैं।

तीन अलग-अलग रेस्टोरेंट से 30 मिनट में फूड डिलीवरी कैसे? Zomato को कोर्ट ने भेजा समन

पिछले साल 24 अक्टूबर को जामा मस्जिद कैलाश कॉलोनी और जंगपुरा में तीन अलग-अलग भोजनालयों से एक ऑर्डर दिया था जिसके बाद उन्होंने डिलीवरी को ट्रैक किया और पाया कि ऑर्डर अज्ञात व्यक्ति से लिया गया था। इस पर उसने कोर्ट में केस कर दिया। अब दिल्ली की साकेत कोर्ट ने फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी जोमैटो को समन जारी किया है।

दिल्ली। साकेत कोर्ट ने एक उपभोक्ता की दायर याचिका पर जोमैटों को गर्म खाना डिलीवरी करने का झूठा प्रचार करने पर समन भेजा है। कोर्ट ने उन्हें अपने जवाब देने के आदेश दिए हैं। इस मामले की सुनवाई के लिए 20 मार्च की तारीख निर्धारित की गई हैं। दिल्ली की साकेत कोर्ट ने फूड डिलीवरी ऐप जोमैटो को एक दीवानी मुकदमे में समन जारी किया है, जिसमें कंपनी को उपभोक्ताओं को प्रतिष्ठित रेस्तरां से गर्म और प्रामाणिक भोजन ऑर्डर करने की अनुमति देने वाली अपनी सेवाओं को जारी रखने से रोकने का आदेश देने की मांग की गई है।

गुरुग्राम के रहने वाले एक व्यक्ति के दायर याचिका पर सुनवाई की जा रही थी, जिसमें दावा किया गया था कि जोमैटो अपनी उप-श्रेणी दिल्ली के प्रसिद्ध रेस्तरां से ताजा भोजन डिलिवरी करने की झूठी और धोखाधड़ी प्रथा के खिलाफ था। सिविल जज उमेश कुमार ने आदेश में कहा कि मुकदमे का समन और आवेदन का नोटिस जारी किया जाए।

रोडरेज के बाद सीने में चाकू घोंपकर की सुरक्षा गार्ड की हत्या, पुलिस मुठभेड़ में दोनों बदमाश गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के लिंक रोड थाना क्षेत्र में पांच फरवरी को सुरक्षा गार्ड देव सिंह की हत्या के मामले में सोमवार तड़के कस्टडी से पुलिसकर्मी की पिस्टल लेकर छीनकर भागे आरोपित ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दोनों बदमाश को गिरफ्तार किया है। एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी है। पुलिस आरोपितों को आलाकत्ल बरामद करने के लिए लेकर गई थी।

गाजियाबाद। लिंकरोड थाना क्षेत्र में पांच फरवरी को सुरक्षा गार्ड देव सिंह की हत्या के मामले में सोमवार तड़के कस्टडी से पुलिसकर्मी की पिस्टल लेकर छीनकर भागे आरोपित ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दोनों बदमाश को गिरफ्तार किया है। एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी है। पुलिस आरोपितों को आलाकत्ल बरामद करने के लिए लेकर गई थी। दोनों ने रोडरेज के बाद सुरक्षा गार्ड की चाकू घोंपकर हत्या की थी।

सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि पकड़े गए आरोपित वसुंधरा सेक्टर 2 सी के संदीप शर्मा और विशाल उर्फ वरुण हैं। दोनों ने पांच फरवरी में रात को लिंक रोड थाना क्षेत्र में साहिबाबाद गांव कट के पास मध्य प्रदेश, भिंड के देव सिंह की सीने पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। फिर बाइक पर बैठ कर फरार हो गए थे।

सीसीटीवी कैमरो की फुटेज के आधार पर पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन की स्वाट टीम और लिंक रोड थाना पुलिस ने 11 फरवरी को दोनों को गिरफ्तार किया। उन्होंने हत्या कर चाकू घटना स्थल के पास ही फेंक दिया था। पुलिस चाकू बरामद करने के लिए लेकर गई थी। तभी संदीप ने पुलिस की पिस्टल छीनकर फायरिंग कर दी थी और दोनों भागे थे। पुलिस की गोली लगने से घायल संदीप का एमएमजी अस्पताल गाजियाबाद में इलाज चल रहा है।

बाइक टकराने पर जड़ा थप्पड़ तो कर दी हत्या

पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वह दोनों पांच फरवरी की रात को नशा करने के लिए बाइक से रेलवे रोड की ओर जा रहे थे। रास्ते में देव सिंह खड़े थे।उनके पैर में बाइक का पहिया लग गया।उन्होंने विरोध किया तो संदीप ने गाली गलौज कर धमकी दी। तभी सुरक्षा गार्ड ने थप्पड़ जड़ दिया।

संदीप ने चाकू दिखाया तो वह जान बचाकर करीब सौ मीटर तक भागा और साहिबाबाद गांव कट के पास पहुंच गया। तभी संदीप ने सामने से सीने में चाकू घोंप दिया। कुछ दूरी पर खड़े तीन लोगों ने देखकर शोर मचाया तो दोनों आरोपित बाइक पर बैठकर गलत दिशा में रेलवे रोड अंडर पास से राजेंद्र नगर मुख्य मार्ग होते हुए वसुंधरा 2 सी स्थित घर पहुंच गए। घटना के बाद से दोनों घर से नहीं निकले। सीसीटीवी कैमरे की मदद से पुलिस आरोपितों तक पहुंची और दोनों को दबोच लिया।

मीट की दुकान से चोरी किया था चाकू

पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उन्होंने घटना से तीन दिन पहले ही एक मीट की दुकान से चाकू चोरी किया था। उसे ही अपने पास रखा था। दोनों के घरवाले भी उनकी हरकत से परेशान थे। पांच फरवरी की रात आरोपित संदीप अपने परिवार से नशे के लिए रुपये नहीं देने पर झगड़ा किया था। चाकू भी दिखाया था। इसके बाद वह विशाल के साथ नशा करने के लिए निकल गया था।

कई सांसदों का टिकट काट इन लोगों पर दांव लगा सकती है बीजेपी, इस बार ऐतिहासिक होगा चुनाव

परिवहन विशेष न्यूज

सूत्रों की मानें तो इस बार कई भाजपा सांसदों के टिकट कटना तय है। यह लोकसभा चुनाव कई तरह से ऐतिहासिक होगा। ऐसे गरीब जिनके पास विजन है उपलब्धि है नई सोच है लेकिन धन के अभाव में वह राजनीति के मैदान में उतरने का साहस नहीं उठा पाते मोदी उन्हें भी लोकसभा चुनाव का टिकट देकर देश सेवा का मौका दे सकते हैं।

नोएडा। अपने फैसलों से सभी को चौकाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी लोकसभा चुनाव के लिए टिकट वितरण में भी आश्चर्यजनक निर्णय कर सकते हैं। यह लोकसभा चुनाव कई तरह से ऐतिहासिक होगा। सूत्रों की मानें तो इस बार कई भाजपा सांसदों के टिकट कटना तय है।

पीएम मोदी ने गढ़ी जातियों की नई परिभाषा

उनकी जगह किसान, गरीब, युवा और महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जातिवाद की राजनीति पर कड़ा प्रहार करते हुए जातियों की नई परिभाषा गढ़ी थी। उन्होंने गरीब, किसान, युवा और महिलाओं को चार जातियां बताया था। भाजपा इन्हें अब संसद में भेजने की रणनीति बनाने में जुटी है।

इससे गांव और मोहल्लों में रहने वाले उन पढ़े-लिखे, प्रगतिशील और अपने काम के बल पर उपलब्धि प्राप्त करने वाले किसान, गरीब, युवा और महिलाओं का राजनीति में आने का मार्ग खुल जाएगा, जो अच्छी सोच रखने के बावजूद संसाधनों के अभाव और राजनीतिक बैकग्राउंड न होने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के विजन से संसद पहुंचकर देश के लिए कुछ अलग करने का मौका मिल सकता है।

कई खास का इस बार कट सकता है पत्ता

सूत्र तो यह भी दावा कर रहे हैं कि इस बार खास को टिकट मिलने की बजाय भाजपा के जिला, मंडल और बूथ स्तर पर काम करने वाले साधारण कार्यकर्ता को भी लोकसभा चुनाव के लिए टिकट मिल सकता है। जिन किसानों ने कृषि में नई सोच के साथ उन्नत खेती कर अपनी आमदनी बढ़ाई है, उन प्रगतिशील किसानों को भी मोदी लोकसभा चुनाव के जरिए भारत की सर्वोच्च संस्था संसद में भेज सकते हैं।

आत्मनिर्भर बन देश के लिए रोल मॉडल बने युवा और महिलाओं को बड़ी संख्या में मौका मिल सकता है। ऐसे गरीब, जिनके पास विजन है, उपलब्धि है, नई सोच है, लेकिन धन के अभाव में वह राजनीति के मैदान में उतरने का साहस नहीं उठा पाते, मोदी उन्हें भी लोकसभा चुनाव का टिकट देकर देश सेवा का मौका दे सकते हैं। इससे प्रधानमंत्री आने वाली पीढ़ी के सामने कई संदेश देंगे।

विपक्ष के लिए चुनौती पेश करेगी बीजेपी

केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून को पास कराकर नारी शक्ति में पार्टी की पैठ को मजबूत किया था। महिलाओं को लोकसभा चुनाव में अधिक टिकट देकर पार्टी दूसरे दलों के लिए मजबूत चुनौती पेश करेगी। सबसे बड़ा प्रहार परिवाद पर होगा। इससे यह संदेश जाएगा कि सिर्फ मंत्री, सांसद और विधायकों के बच्चों के लिए ही राजनीति के दरवाजे नहीं खुले, बल्कि भाजपा में आमजन का भी संसद और विधान सभा पहुंचने का उतना ही अधिकार है।

बूथ और मंडल स्तर के छोटे से कार्यकर्ता को मौका देकर यह संदेश भी दिया जाएगा कि यदि पार्टी के लिए निष्ठा और लगन से काम करने वालों को कभी भी मौका मिल सकता है। उसे किसी को गॉड फादर बनने की जरूरत नहीं होगी। राजनीतिक आकाओं के बिना भी संसद और विधान सभा में पहुंचा जा सकता है। साथ ही बाहुबल और धनबल के बिना भी राजनीति में आकर देश सेवा की जा सकती है।

जिले में बढ़ा अवारा कुत्तों का आतंक, कविनगर में महिला को किया गंभीर रूप से घायल

जिले में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। रविवार सुबह 10 बजे कविनगर ए ब्लॉक में रहने वाली 48 वर्षीय नीरू दुआ अपनी छोटी बेटी को लेकर पार्क में जा रही थी। रास्ते में चार आवारा कुत्तों ने दोनों पर हमला कर दिया। नीरू दुआ डरकर जमीन पर गिर पड़ी। कुत्तों ने दोनों हाथ पैर जांघ और कंधों पर काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

गाजियाबाद। जिले में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। रविवार सुबह 10 बजे कविनगर ए ब्लॉक में रहने वाली 48 वर्षीय नीरू दुआ अपनी छोटी बेटी को लेकर पार्क में जा रही थी। रास्ते में चार आवारा कुत्तों ने दोनों पर हमला कर दिया। नीरू दुआ डरकर जमीन पर गिर पड़ी। कुत्तों ने दोनों हाथ, पैर, जांघ और कंधों पर काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

राह चलते एक व्यक्ति ने लाठी के सहारे कुत्तों को भगाया और घायल नीरू को नेहरूनगर स्थित यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया। नीरू के पिता मदन लाल दुआ ने बताया कि बेटी के पैरों में गहरे घाव हो गए हैं। एंटी रेबीज वैक्सीन और एंटी रेबीज सीरम लगाने के बाद मरहम पट्टी हो गई है। उन्होंने इसकी लिखित शिकायत कविनगर पुलिस के अलावा नगरायुक्त को दी है।

शुक्रवार को कविनगर के रहने वाले 55 वर्षीय दयाशंकर को घर से पार्क में घूमने को जाते समय आवारा कुत्तों ने घायल कर दिया था। दो कुत्तों ने उनके पैर में काटकर गहरे घाव कर दिए । पूर्व पार्षद हिमांशु मित्तल ने बताया कि सुबह से लेकर शाम तक कविनगर जैसे पाश इलाके में आवारा कुत्ते राह चलते लोगों पर हमला करते हैं। इस समस्या का समाधान जरूरी है।

इमरजेंसी में गंभीर लोगों को ही लगती है वैक्सीन

जिला एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में रविवार को पांच गंभीर लोगों को ही कुत्ते के काटने पर एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। सामान्य तौर पर रविवार के अलावा अन्य दिनों में दो बजे के बाद गंभीर लोगों को ही एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई जाती है। अन्य को सोमवार या ओपीडी में ही वैक्सीन लगाई जाती है।

एक वायल खोलने में पांच मरीजों का होना जरूरी

सीएमएस डॉ. मनोज कुमार चतुर्वेदी का कहना है कि एक वायल खोलने में पांच मरीजों का होना जरूरी है। एक मरीज को वैक्सीन लगने के बाद वायल का दोबारा उपयोग संभव नहीं है। उनका दावा है कि 24 घंटे एआरवी लगाई जाती है। संयुक्त अस्पताल में भी देर शाम तक छह लोगों को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक साल में 50 हजार से अधिक लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा है।

जीडीमेटला स्थिति श्री आई माता मंदिर में माही बीज महोत्सव के पावन अवसर पर पुजा-अर्चना

लोकेशन हैदराबाद जीडिमेटला, हैदराबाद। जीडिमेटला श्री आई माता मंदिर में माही बीज महोत्सव के पावन अवसर पर पुजा - अर्चना, एक शाम माई के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए गजेन्द्र राव रविन्द्रसिंह राजपुरोहित। अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि भाजपा नेता पूर्व माह सचिव मुरलीधर राव , राजस्थान से पधारे पाली लोकसभा क्षेत्र भाजपा युवा नेता सुनील सीरवी व अतिथियों का सम्मान कर कार्यक्रम का लाभ लेते हुए अध्यक्ष मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष अर्जुनलाल बर्फा, केराराम सिन्दड़ा, सचिव नारायणलाल बर्फा सह सचिव प्रेम पंवार, सहलाकर सोहनलाल परिहार पूर्व अध्यक्ष एवं तेलंगाना अखिल माह सभा पूर्व सचिव चेनाराम चोयल , कार्यकारणी पदाधिकारी व समाज बन्धुओं।

महेंद्र महाराज को आई पंथ मध्य प्रदेश का जती बनाया

लोकेशन जोधपुर बिलाड़ा, जोधपुर बिलाड़ा माही बीज दीवान पद राजेर आज विक्रम संवत 2080 माघ सुदी बीज को बड़ी बीज और बड़ा दिन मानते हैं श्री आई माताजी द्वारा दीवान पद परंपरा की शुरुआत विक्रम संवत 1557 से प्रारंभ की है आज के शुभ अवसर पर राजमहल से पूजन सामग्री पर लाव लश्कर के साथ में धर्मगुरु दीवान साहब छोटे बना श्री किशन सिंह , कुंवर देवराज सिंह एवं श्री महेंद्र महाराज सहित बढेर में पहुंचे व माताजी के समय से स्थापित सभी देवी के प्रतीक चिन्ह का वैदिक मंत्रों के साथ दीवान साहब, छोटे बना, कुंवर साहब ,बढेर पुजारी प्रेमा बाबाजी, महेंद्र महाराज, पोकर महाराज ने विधिवत पूजन किया यहां से सभा स्थल पर पहुंचे ।सभा स्थल पहुंचकर सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। आरती के बाद धर्म सभा मे दिवान साहब ने आई माता जी के बारे में , दीवान पद परंपरा, माताजी द्वारा स्थापित बाबा मंडली का वर्णन किया । आई पंथ धर्मगुरु दीवान माधव सिंह ने श्री महेंद्र महाराज को (तांबा पत्थर) परवाना दिया और माता जी के प्रतीक के रूप में छड़ी दी एवं सोने की चेन गले में पहना कर जती पद पर नियुक्त किया सभी उपस्थित जन समुदाय में राजस्थान गुजरात सांचौर बाड़मेर मध्य प्रदेश कर्नाटक तमिलनाडु हैदराबाद तेलंगाना आदि जगहों से छत्तीस कोम के सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरुदेव व जति बाबा जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। आदि जगहों से। 36 काम के लोग उपस्थित थे।

यूपी में राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा एक बार फिर सपा को पटखनी देती नजर आ रही है

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की खाली हो रही 10 सीटों में 9 भाजपा और एक सपा के पास हैं। जो ताजा समीकरण बन रहा है उससे बीजेपी का 07 सीटों पर जीतना तय माना जा रहा है। वहीं दो सीटों पर सपा की जीत निश्चित मानी जा रही है। एक सीट का पेंच फंसा है।

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की रिक्त हुई इस सीटों के लिए बीजेपी और समाजवादी पार्टी ने अपने प्रत्याशी तय कर लिये हैं। भाजपा ने राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य और यूपीए सरकार में मंत्री रहे व कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए आरपीएन सिंह, भाजपा के आगरा के पूर्व महापौर नवीन जैन, गाजीपुर सदर की पूर्व विधायक संगीता बलवंत बिंद, मुगलसराय से पूर्व विधायक साधना सिंह और मथुरा के पूर्व सांसद तेजवीर सिंह को भी प्रत्याशी बनाया है। यूपी विधानसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या देखते हुए भाजपा के सभी प्रत्याशियों का राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होना तय है। बात जातीय गणित की कि जाये तो बीजेपी ने जातीय समीकरण साधने के लिए एक ब्राह्मण, एक वैश्य, एक ठाकुर और चार पिछड़ों (कुर्मी, मौर्य, जाट व बिंद) को प्रत्याशी बनाया है। बीजेपी प्रत्याशी 14 फरवरी वसंत पंचमी के दिन नामांकन कर सकते हैं।

बात समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों की कि जाये तो सूत्रों के अनुसार समाजवादी पार्टी अपनी तेजतर्रार राज्यसभा सदस्य रहीं जया बच्चन को फिर से राज्यसभा में भेज सकती है। इसके अलावा सपा के राष्ट्रीय महासचिव व पांच बार के सांसद रहे सलीम शेरवानी व मैनपुरी के पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को भी प्रत्याशी बनाये जाने की चर्चा तेज है। वैसे सपा के दो उम्मीदवारों के ही आसानी से जीत की संभावनाएं बताई जा रही हैं। 15 फरवरी को नामांकन का अंतिम दिन है।

गौरतलब है कि राज्यसभा की खाली हो रही 10 सीटों में 9 भाजपा और एक सपा के पास हैं। जो ताजा समीकरण बन रहा है उससे बीजेपी का 07 सीटों पर जीतना तय माना जा रहा है। वहीं दो सीटों पर सपा की जीत निश्चित मानी जा रही है। एक सीट का पेंच फंसा है। बीजेपी इसे भी अपनी जेब में डालना चाहती है। राष्ट्रीय लोकदल के बीजेपी के साथ आने के बाद बीजेपी के लिये आठवीं सीट पर जीत की लड़ाई काफी आसान हो गई है। पिछले दो दिनों से रालोद के बीजेपी के साथ जाने को लेकर चर्चाएं तेज थीं। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने के बाद तो अब रालोद मुखिया जयंत चौधरी भी कहने लगे हैं कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिये जाने के बाद अब बीजेपी को कैसे मना किया जा सकता है। पीएम ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। खास बात यह है कि कल तक जयंत चौधरी या रालोद की ओर से इस चर्चा का कोई समर्थन या खंडन नहीं किया गया था, लेकिन अब जयंत की भाषा बिल्कुल बदल गई है। जयंत के पाला बदलने से यूपी में 10 सीटों पर हो रहे राज्यसभा चुनाव का भी गणित बदलता दिख रहा है। राज्य सभा चुनाव के लिए विधानसभा के सदस्य वोटर होते हैं। इस समय विधानसभा की कुल सदस्य संख्या 399 है। राज्यसभा में निर्वाचित होने के लिए न्यूनतम वोट का जो फॉर्मूला है उसके हिसाब से इस बार एक सीट जीतने के लिए 37 विधायक की जरूरत होगी। इस हिसाब से मौजूदा स्थिति में भाजपा गठबंधन 7 और सपा गठबंधन 3 सीटें आसानी से जीतने की स्थिति में है, लेकिन यह तभी संभव था, जब रालोद का सपा के साथ गठबंधन बरकरार रहता।

वोटों के गणित की बात की जाये तो एनडीए के पास इस समय सहयोगियों को मिला कर 277 वोट हैं। ऐसे में 37 का कोटा सबको आवंटित करने के बाद उसके पास 18 वोट अतिरिक्त बचेंगे। जनसत्ता दल उच्च सदन के चुनाव में अब तक भाजपा के ही साथ रहा है। इसलिए इनके 2 वोट भी सत्ता पक्ष के साथ जाने तय हैं। ऐसे में भाजपा के पास 20 अतिरिक्त वोट होंगे। वहीं, विपक्षी गठबंधन के पास मौजूदा संख्या 119 विधायकों की है। कोटा आवंटित करने के बाद भी इस समय उनके पास 6 अतिरिक्त विधायक बचेंगे। अगर रालोद एनडीए के पाले में जाता है तो सपा गठबंधन के पास विधायकों की संख्या घटकर 110 हो जाएगी। सपा को अपना तीसरा उम्मीदवार जिताने के लिए 1 और विधायक की जरूरत होगी, जिसे तलाशना आसान नहीं तो मुश्किल भी नहीं होगा। रालोद को मिलाकर भाजपा के पास 29 अतिरिक्त वोट हो जाएंगे। अब अगर भाजपा अपना आठवां उम्मीदवार उतारती है तो फैसला दूसरी वरीयता के वोटों से होगा, जिसमें सत्तारुढ़ गठबंधन के लिए संभावनाएं बढ़ जाएंगी। फिलहाल, भाजपा की ओर से 10 पर्चे खरीदे गए हैं।

जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित मैराथन रही सफल, विजेताओं को दी गई ट्राफी

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि 95 वर्ष की आयु में अंतर्राष्ट्रीय-राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता भागवानी देवी डागर रहीं। विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को पदक ट्राफियां और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। नरेंद्र चौधरी और उनकी टीम को शानदार प्रदर्शन और समर्पण के लिए ओवरऑल रनर-अप ट्रॉफी प्रदान की गई। जागरण कनेक्ट कम्युनिटी और जागरण .कॉम इस इवेंट के डिजिटल मीडिया पार्टनर थे।

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। 4 फरवरी को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित नोएडा 10 किमी मैराथन खराब मौसम के बावजूद सफल रही। मौसम की चुनौतियों के बावजूद, इवेंट का शानदार आयोजन और प्रतिभागियों के बेहतरीन सहयोग ने इसे यादगार बना दिया।

जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधन और स्टाफ की भूमिका भी उत्कृष्ट रही, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने में अहम योगदान दिया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि 95 वर्ष की आयु में अंतर्राष्ट्रीय-राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता भागवानी देवी डागर रहीं।

विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को पदक, ट्राफियां और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। नरेंद्र चौधरी और उनकी टीम को शानदार प्रदर्शन और समर्पण के लिए ओवरऑल रनर-अप ट्रॉफी प्रदान की गई। बच्चों के लिए 2 किमी दौड़ को शामिल करने से इवेंट में उत्साह और जुड़ाव का स्तर और बढ़ गया।

प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की व्यवस्था और संगठन पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की और भविष्य के संस्करणों के लिए अपनी उत्सुकता दिखाई। इस सकारात्मक प्रतिक्रिया से आयोजकों की मेहनत और दूरदर्शिता का पता चलता है। आयोजकों ने भविष्य में नए कार्यक्रम शुरू करने की योजना की घोषणा की, जिससे फैमिली फिटनेस फन का दायरा और बढ़ेगा।

नोएडा 10 किमी दौड़ की सफलता आने वाले दिनों में फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों और समुदाय के जुड़ाव के लिए और अधिक अवसरों का वादा करती है। जागरण कनेक्ट कम्युनिटी और जागरण.कॉम इस इवेंट के डिजिटल मीडिया पार्टनर थे। उल्लेखनीय है कि जागरण.कॉम कनेक्ट कम्युनिटी के साथ साझेदारी का मुख्य उद्देश्य नोएडा में RWA/AOA समुदायों के बीच पहुँच बढ़ाना और उन्हें जोड़ना था।

टाटा की इस सस्ती कॉम्पैक्ट एसयूवी ने ब्रीजा और वेन्यू को पछाड़ा, जनवरी 2024 में हाथों-हाथ बिक गईं 17,978 यूनिट

जनवरी 2024 में Tata Punch कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। टाटा पंच के बाद सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी के मामले में दूसरे पायदान पर Tata Nexon रही। कंपनी ने जनवरी 2024 में इस कार की 17182 यूनिट बेची। वहीं पिछले साल इसी अवधि में 15567 यूनिट सेल की हैं। आइए टॉप-5 Compact SUVs के बारे में जान लेते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। जनवरी 2024 में Tata Punch कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। Tata Motors ने बीते महीने इस कार की कुल 17,978 यूनिट सेल की हैं। वहीं, पिछले साल यानी जनवरी 2023 में कंपनी ने पंच के 12,006 यूनिट सेल किए थे।

Tata Punch बनी गेम चेंजर

लॉन्च के बाद से ही टाटा की यह कार ग्राहकों को खूब पसंद आ रही है। यहां हम आपके साथ कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाली पांच कारों की लिस्ट शेयर कर रहे हैं।

कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में इन कारों का रहा जलवा-

Tata Punch - 17978 यूनिट
Tata Nexon - 17182 यूनिट
Maruti Suzuki Brezza - 15303 यूनिट
Mauti Suzuki Fronx - 13643 यूनिट
Hyundai Venue - 11831 यूनिट

टाटा पंच के बाद सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी के मामले में दूसरे पायदान पर Tata Nexon रही। कंपनी ने जनवरी 2024 में इस कार की 17,182 यूनिट बेची। वहीं पिछले साल इसी अवधि में 15,567 यूनिट सेल की हैं।

तीसरे पायदान पर मारुति की Brezza रही, जिसके जनवरी में 15,303 यूनिट सेल की गई हैं। 2023 में जनवरी महीने में कंपनी ने इस कार की 14,359 यूनिट सेल हुई थी। इंडियन मार्केट में दिसंबर 2023 में भी यही तीन कार सबसे ज्यादा बिकी थी।

Maruti Suzuki Fronx का बेहतर प्रदर्शन

Maruti Suzuki Fronx इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाली चौथी कार थी, जिसकी 13,643 यूनिट बिके हैं। इसके साथ ही कंपनी ने इस कार के लॉन्च के दस महीने के अंदर ही एक लाख यूनिट बेचकर रिकॉर्ड बनाया है। इस कॉम्पैक्ट एसयूवी कार को कंपनी ने 2023 में ग्लोबल मार्केट में लॉन्च किया था।

जनवरी 2024 में Hyundai Venue की 11,831 यूनिट बिक्री हुई। यह कार पांचवें पायदान पर रही। बात करें पिछले साल इसी अवधि की तो हुंदई ने 2023 जनवरी में 10,738 यूनिट बेची थी।

छठें और सातवें पायदान पर Kia Sonet और Hyundai Exter रही। इसके साथ Mahindra XUV300, Nissan Magnite और Renault Kiger ग्राहकों को खूब पसंद आई। जनवरी में किया की Sonet के 11,530 यूनिट बिके और Exter की कुल 8,229 यूनिट बिके।

श्योअमी की पहली EV का इंटीरियर देख तुरंत बना लेगें खरीदने का प्लान! सिंगल चार्ज पर देगी 800 KM की जबरदस्त रेंज

श्योअमी SU7 का एंट्री लेवल वेरिएंट 73.6 kWh बैटरी पैक के साथ आएगा। टॉप-ऑफ-द-लाइन वेरिएंट में बड़ा 101 kWh बैटरी पैक मिलेगा। Xiaomi ने अपनी खुद की CTB (सेल-टू-बॉडी) तकनीक विकसित की है। ईवी निर्माता के अनुसार SU7 एक बार चार्ज करने पर 800 किलोमीटर तक की रेंज प्रदान करेगा। आइए इसके इंटीरियर डिजाइन के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। चीनी टेक दिग्गज Xiaomi ने इस साल के अंत में लॉन्च से पहले अपने पहले इलेक्ट्रिक वाहन SU7 की पहली ऑफिशियल इमेज पेश की है। ईवी निर्माता ने पिछले साल SU7 के बाहरी लुक का खुलासा किया था। कोडनेम स्पीड अल्ट्रा वाली ये ईवी एक परफॉरमेंस मॉडल है।

Xiaomi SU7 को लेकर क्या अपडेट?

Tesla Model S को टक्कर देने वाली ये इलेक्ट्रिक सेडान पहली बार Beijing Auto Show में शोकेश की जा सकती है। हालांकि, Xiaomi ने कहा था कि SU7 की डिलीवरी इस साल की शुरुआत में शुरू हो जाएगी, लेकिन उसने अभी तक EV या इसकी कीमत के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी है।

Xiaomi SU7 का इंटीरियर

Xiaomi SU7 का इंटीरियर काफी फ्यूचरिस्टिक नजर आता है। हालांकि, इसके डैसबोर्ड पर कोई फिजिकल बटन नहीं दिया गया है। इसमें एक डुअल-टोन इंटीरियर थीम है और इसे बड़ी पैनोरमिक सनरूफ दी गई है।

इसके सेंटर में बड़ा मल्टीमीडिया स्क्रीन दी गई है और इस स्क्रीन के ठीक नीचे, 55W फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ एक वायरलेस चार्जिंग जोन, स्टार्ट-स्टॉप बटन, एयर कंडीशनिंग, फैन स्पीड, सस्पेंशन और एक कप होल्डर जैसी सेटिंग्स के लिए फिजिकल बटन दिए गए हैं।

Xiaomi SU7 में पीछे की सीट पर बैठने वालों के लिए दो एंटरटेनमेंट स्क्रीन भी शामिल हैं। पीछे के यात्रियों के लिए स्क्रीन सामने वाले टचस्क्रीन डिस्प्ले से इंडिपेंडेंट दिखाई देती हैं।

स्पेसिफिकेशन

Xiaomi SU7 एक चार दरवाजों वाली इलेक्ट्रिक सेडान है, जिसकी लंबाई 4,997 मिमी, चौड़ाई 1,963 मिमी और ऊंचाई 1,455 मिमी है। ईवी 3,000 मिमी के व्हीलबेस के साथ आती है। Xiaomi SU7 को उसकी बैटरी की ऊर्जा भंडारण क्षमता के आधार पर अलग-अलग दो कॉन्फिगरेशन में उपलब्ध कराएगा।

बैटरी और रेंज

Xiaomi SU7 का एंट्री लेवल वेरिएंट 73.6 kWh बैटरी पैक के साथ आएगा। टॉप-ऑफ-द-लाइन वेरिएंट में बड़ा 101 kWh बैटरी पैक मिलेगा। Xiaomi ने अपनी खुद की CTB (सेल-टू-बॉडी) तकनीक विकसित की है।

ईवी निर्माता के अनुसार, SU7 एक बार चार्ज करने पर 800 किलोमीटर तक की रेंज प्रदान करेगा। EV निर्माता बाद में 2025 में 1,200 किमी रेंज के साथ बड़े 150 kWh बैटरी पैक के साथ V8 नामक एक नया संस्करण भी पेश करेगा।

ह्युंडई इस साल तोड़ेगी बिक्री के सारे रिकॉर्ड, कंपनी की सेल 10 करोड़ के पार पहुंचने का अनुमान

हुंडई मोटर के अनुसार कार निर्माता ने 2023 तक कुल 97 मिलियन यूनिट कारें बेची हैं इसमें विदेशों में बेची गई 73 मिलियन यूनिट शामिल हैं। ये देखते हुए कि कंपनी ने इस वर्ष के लिए अपना वार्षिक बिक्री लक्ष्य 4.24 मिलियन यूनिट निर्धारित किया है उद्योग पर नजर रखने वालों का अनुमान है कि कंपनी संचयी बिक्री तक पहुंचकर माइलस्टोन हासिल करने के लिए तैयार है।

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी Hyundai Motor India को 1968 में अपनी पहली बिक्री के बाद से इस साल 100 मिलियन यूनिट की शिपमेंट तक पहुंचने की उम्मीद है, कंपनी ने सोमवार को ये बयान दिया है।

Hyundai Motor हासिल करेगी बड़ा माइलस्टोन

हुंडई मोटर के अनुसार कार निर्माता ने 2023 तक कुल 97 मिलियन यूनिट कारें बेची हैं, इसमें विदेशों में बेची गई 73 मिलियन यूनिट शामिल हैं। ये देखते हुए कि कंपनी ने इस वर्ष के लिए अपना वार्षिक बिक्री लक्ष्य 4.24 मिलियन यूनिट निर्धारित किया है, उद्योग पर नजर रखने वालों का अनुमान है कि कंपनी संचयी बिक्री तक पहुंचकर माइलस्टोन हासिल करने के लिए तैयार है।

कंपनी का सफर

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हुंडई ने 1968 में घरेलू ऑटोमोबाइल बिक्री शुरू की, इसके बाद 1976 में निर्यात किया गया। अब तक, अवंते कॉम्पैक्ट सबसे लोकप्रिय मॉडल था, जिसकी कुल बिक्री 15.1 मिलियन यूनिट तक पहुंच गई थी, इसके बाद एक्सेंट सबकॉम्पैक्ट द्वारा 9.95 मिलियन यूनिट और सोनाटा सेडान ने 9.39 मिलियन यूनिट के साथ बिक्री में योगदान दिया है।

EVs की ज्यादा मांग

इस बीच, पिछले साल दक्षिण कोरिया में नई खरीदी गई कारों में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 9.3 प्रतिशत थी, जैसा कि सोमवार को डेटा से पता चला है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान जैसे अन्य प्रमुख समकक्षों से ऊपर है। भूमि, बुनियादी ढांचे और परिवहन मंत्रालय द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार 2023 में दक्षिण कोरिया में बेची गई 1.74 मिलियन कारों में से 162,507 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) शामिल थीं।

BMW 7 सीरीज प्रोटेक्शन : गोलियों की बौछार हो या बम की मार, सब झेल लेगी ये कार; कीमत इतनी कि...

जर्मन कार निर्माता कंपनी BMW ने भारतीय बाजार में अपने सबसे सुरक्षित कार BMW 7 Series Protection लॉन्च कर दी है। BMW 7 Series काफी महंगी कार है और इसे गिने-चुने लोग ही अफोर्ड कर सकते हैं। 4.5 टन से थोड़ा अधिक वजनी बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज प्रोटेक्शन एक बेहद भारी कार है। आइए इस बुलेट प्रूफ कार के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। जर्मन कार निर्माता कंपनी BMW ने भारतीय बाजार में अपने सबसे सुरक्षित कार BMW 7 Series Protection लॉन्च कर दी है। जर्मन लग्जरी कार ब्रांड का दावा है कि 7 सीरीज प्रोटेक्शन 7 सीरीज की सभी भव्यता और दिव्यता को बरकरार रखता है, लेकिन इसे पैसेंजर को जोखिमों से सुरक्षित रखने के लिए डिजाइन किया गया है। आइए, इसके बारे में जान लेते हैं।

BMW 7 Series Protection में क्या खास?

BMW 7 Series काफी महंगी कार है और इसे गिने-चुने लोग ही अफोर्ड कर सकते हैं। 4.5 टन से थोड़ा अधिक वजनी, बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज प्रोटेक्शन एक बेहद भारी कार है। इस कार के सभी डोर का वजन 400 किलोग्राम है। ये ध्यान में रखते हुए कंपनी ने इसे हुड के नीचे 4.4-लीटर वी8 पेट्रोल इंजन दिया है।

इंजन, पावर और टॉप स्पीड

ये पावरट्रेन 530 एचपी का उत्पादन करने और 750 एनएम का टॉर्क देने में सक्षम है। सेडान की टॉप स्पीड 210 किमी प्रति घंटे है और ये केवल 6.6 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज प्रोटेक्शन पूरी तरह से बुलेट प्रूफ कार है और मामूली गोला-बारूद इस कार का कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे।

बुलेट प्रूफ होम ऑन व्हील!

BMW 7 Series Protection को बख्तरबंद बॉडी के साथ ड्रोन से हमलों को विफल करने के लिए रूफ को रि-इनफोर्स बोल्टिंग के साथ मजबूती दी गई है। साथ ही इसकी विंडो पर लगाए गए शीशे भी पूरी तरह से बुलेट प्रूफ है। यहां तक कि मॉडल के 20 इंच के टायर भी पूरी तरह से हवा निकलने पर 80 किमी प्रति घंटे की गति से 30 किलोमीटर की दूरी तय कर सकते हैं। इसके अलावा कार को सेल्फ-सीलिंग फ्यूल टैंक दिया गया है।

BMW S Series को कंपनी भारतीय बाजार में 1.81 करोड़ से लेकर 1.84 करोड़ रुपये एक्स शोरूम के बीच सेल करती हैं। वहीं, BMW 7 Series Protection की कीमत 15 करोड़ रुपये के करीब होने का अनुमान है।

लॉजिस्टिक लागत घटने का परिदृश्य

डा. जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत में लॉजिस्टिक लागत घटने से संबंधित जो अध्ययन रिपोर्टें प्रकाशित हो रही हैं, उनके आधार पर भारत में वर्ष 2024 में विनिर्माण, कारोबार, निर्यात और रोजगार के मौके बढ़ाने में घटती हुई लॉजिस्टिक लागत की अहम भूमिका होगी।

हम उम्मीद करें कि अब लॉजिस्टिक लागत में लक्ष्य के अनुरूप कमी करके इस समय वैश्विक व्यापार में भारत का जो हिस्सा दो फीसदी से भी कम है, उसे वर्ष 2030 तक बढ़ाकर करीब तीन गुना करने के साथ-साथ निर्यात मूल्य का आकार भी बढ़ाकर 2000 अरब डॉलर किए जाने के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को भी मुट्ठी में लिया जा सकेगा। इससे देश 2047 तक विकसित देश बनने की डगर पर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा

इन दिनों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत में लॉजिस्टिक लागत घटने से संबंधित जो अध्ययन रिपोर्टें प्रकाशित हो रही हैं, उनके आधार पर भारत में वर्ष 2024 में विनिर्माण, कारोबार, निर्यात और रोजगार के मौके बढ़ाने में घटती हुई लॉजिस्टिक लागत की अहम भूमिका होगी। हाल ही में उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 'भारत में लॉजिस्टिक्स लागत : आकलन और दीर्घावधि फ्रेमवर्क' रिपोर्ट 2023 को जारी करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की लॉजिस्टिक्स लागत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7.8 से 8.9 प्रतिशत के बीच रही है। इस लॉजिस्टिक लागत में यातायात लागत, वेयर हाउसिंग और भंडारण लागत, सहायक सहायता सेवाओं की लागत, पैकेजिंग की लागत, बीमा लागत और अन्य संचालन लागतें शामिल की गई हैं। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकानॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) द्वारा विश्व बैंक के निर्धारित मापदंडों पर तैयार की गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में जमीनी स्तर पर बुनियादी ढांचे, डिजिटलीकरण, अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट तथा यातायात के साधनों में बड़े निवेश और आधुनिकीकरण जैसे अहम कारणों से लॉजिस्टिक लागत में बड़ी कमी आई है। उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक के लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक रिपोर्ट 2023 के तहत भी भारत 6 पायदान की छलांग के साथ 139 देशों की सूची में 38वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत 2018 में इस सूचकांक में 44वें तथा 2014 में 54वें स्थान पर था। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जिस रणनीतिक रूप से पीएम गति शक्ति योजना 2021 और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) 2022 का कार्यान्वयन शुरू किया गया है, उससे भारत में लॉजिस्टिक लागत में कमी का परिदृश्य लगातार उभरकर दिखाई देने लगा है।

ज्ञातव्य है कि सामान्यतः वस्तु के उत्पादन में कच्चे माल की लागत पहले क्रम पर और मजदूरी की लागत दूसरे क्रम पर होती है। फिर लॉजिस्टिक लागत का क्रम आता है। उत्पादों एवं वस्तुओं को उत्पादित स्थान से गंतव्य स्थान तक पहुंचाने तक लगने वाले परिवहन, भंडारण व अन्य खर्च को लॉजिस्टिक खर्च कहा जाता है। जहां डीपीआईआईटी के द्वारा हाल ही में प्रस्तुत रिपोर्ट में लॉजिस्टिक लागत नौ फीसदी से भी कम रहने की बात कही गई है, वहीं लॉजिस्टिक से जुड़े कई संगठनों की अध्ययन रिपोर्टों में भारत में लॉजिस्टिक की लागत जीडीपी के 10 फीसदी से अधिक होने के अनुमान भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं। वस्तुतः कोई एक वर्ष पहले 17 सितंबर 2022 को लांच हुई राष्ट्रीय लॉजिस्टिक पॉलिसी का लक्ष्य पांच साल में देश में लॉजिस्टिक लागत को घटाकर 8 फीसदी करना है। साथ ही इसका लक्ष्य 2030 तक कम लॉजिस्टिक खर्च वाले दुनिया के टॉप 25 देशों की सूची में देश को भी कम लॉजिस्टिक लागत वाले देश के रूप में स्थान दिला पाना भी है। इसका लक्ष्य माल परिवहन की लागत घटाकर सभी प्रकार के उद्योग-कारोबार को बढ़ावा देना और वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना भी है। चूंकि वर्तमान में लॉजिस्टिक्स का ज्यादातर काम सडक़ों के जरिए होता है, अतएव अब इस नीति के तहत रेल ट्रांसपोर्ट के साथ-साथ शिपिंग और एयर ट्रांसपोर्ट पर जोर दिया जा रहा है। लगभग 50 प्रतिशत कार्गो को रेलवे के जरिए भेजे जाने का लक्ष्य आगे बढ़ाया जा रहा है और सडक़ों पर ट्रैफिक को कम किया जा रहा है। देश में बुनियादी ढांचे का तेजी से निर्माण होने लगा है। साथ ही लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में ड्रोन का भी इस्तेमाल शुरू हुआ है। निःसंदेह नई लॉजिस्टिक नीति और करीब 100 लाख करोड़ रुपए की महत्त्वाकांक्षी पीएम गतिशक्ति योजना एक सिक्के के दो पहलू की तरह ही हैं।

गति शक्ति योजना का मुख्य लक्ष्य देश में एकीकृत रूप से बुनियादी ढांचे का विकास करना है। वस्तुतः देश में सडक़, रेल, जलमार्ग आदि के इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े 16 मंत्रालयों और विभागों के बीच पीएम गतिशक्ति योजना के तहत सहकार व समन्वय बनाने का काम तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। गतिशक्ति योजना के तहत पिछले दो वर्षों में विभिन्न विभागों की अवसंरचना विकास से जुड़ी गतिविधियों को एक केंद्रीकृत डिजिटल पोर्टल के तहत लाए जाने का काम हुआ है। साथ ही अब रेलवे, सडक़, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, सार्वजनिक परिवहन और लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर के रूप में चिन्हित किए गए सात इंजनों के तहत भारतमाला (राजमार्ग), सागरमाला (तटीय नौवहन), उड़ान (वायु सेवाओं), भारत नेट (दूरसंचार सेवाओं), रेलवे विस्तार और अंतर्देशीय जलमार्ग विस्तार जैसी महत्त्वपूर्ण योजनाओं को समन्वित रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। वस्तुतः इस समय केंद्र सरकार सडक़ और रेल मार्ग, दोनों में सुधार पर ध्यान दे रही है। देश के प्रमुख शहरों और औद्योगिक एवं कारोबारी केंद्रों के बीच की दूरी कम करने के लिए एक तरफ डेडिकेटेड फ्रेट कोरिडोर के जरिए रेल मार्ग से माल ढुलाई को तेज करने की कवायद कर रही है, दूसरी तरफ देश के लगभग हर हिस्से में ग्रीनफील्ड हाईवे प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इसके साथ ही राजमार्गों पर आधारित इंडस्ट्रियल कोरिडोर भी बनाए जा रहे हैं। यह बात भी उभरकर दिखाई दे रही है कि देश में बुनियादी ढांचे के तहत सडक़ों, रेलवे, बिजली और हवाई अड्डों के अलावा बंदरगाह से संबंधित सडक़ और रेल कनेक्टिविटी में भी निजी निवेश का प्रवाह अहम भूमिका निभा रहा है। यात्रा के आधार पर भारत का लगभग 90 फीसदी से अधिक विदेश व्यापार समुद्री मार्ग से होता है। देश में नवीनतम बंदरगाह नीति के तहत बंदरगाह 'लैंडलॉर्ड मॉडल' की शुरुआत के साथ सरकार के स्वामित्व वाले प्रमुख बंदरगाह की परिचालन जिम्मेदारियां निजी क्षेत्र को सौंपने की रणनीति के कारण बंदरगाह विकास और संचालन में घरेलू और विदेशी निजी क्षेत्र की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। ऐसे में दुनिया भर में शिपिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में भारतीय बंदरगाहों की सराहना हो रही है और कहा जा रहा है कि भारत विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच जहाजों पर से माल उतारने और लादने की बेहतर नीति का प्रदर्शन कर रहा है। इससे कई निर्यात आधारित उद्योगों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ रही है। हम उम्मीद करें कि केंद्रीय उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग के द्वारा वर्ष 2021-22 में देश में लॉजिस्टिक लागत जीडीपी के 7.8 से 8.9 फीसदी रहने और अन्य कई अध्ययनों में इसे 10 फीसदी के आसपास रहने की रिपोर्टों के परिवेश में अब देश में राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति तथा पीएम गतिशक्ति योजना के और तेजी से कारगर क्रियान्वयन से आगामी नए वर्ष 2024 में भारत में लॉजिस्टिक लागत में और कमी आएगी। ऐसे में भारत की वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ेगी। इससे भारत की उद्योग-कारोबार और निर्यात क्षेत्र की तस्वीर संवारी जा सकेगी। साथ ही महंगाई में कमी, रोजगार में वृद्धि और विकास के नए अध्याय भी लिखे जा सकेंगे। हम उम्मीद करें कि अब लॉजिस्टिक लागत में लक्ष्य के अनुरूप कमी करके इस समय वैश्विक व्यापार में भारत का जो हिस्सा दो फीसदी से भी कम है, उसे वर्ष 2030 तक बढ़ाकर करीब तीन गुना करने के साथ-साथ निर्यात मूल्य का आकार भी बढ़ाकर 2000 अरब डॉलर किए जाने के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को भी मुट्ठी में लिया जा सकेगा। इससे देश 2047 तक विकसित देश बनने की डगर पर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा। इस तरह भविष्य के लिए अच्छे संकेत हैं।

संपादक की कलम से

तीन अमूल्य 'भारत रत्न'

दो पूर्व प्रधानमंत्रियों-चौधरी चरण सिंह और पीवी नरसिम्हा राव-तथा विख्यात कृषि-विज्ञानी, 'हरित क्रांति' के प्रणेता एमएस स्वामीनाथन को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत-रत्न' से नवाजने की घोषणा की गई है। वाकई वे विलक्षण प्रतिभा के धनी थे और भारत के अमूल्य 'रत्न' रहे हैं। देश के निर्माण और विस्तार में उनका अप्रतिम योगदान रहा है। उन्हें विलंब से ही, लेकिन 'भारत-रत्न' देकर देश का राष्ट्रीय सम्मान ही 'अलंकृत' हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2024 में ही महान समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर और राष्ट्रवाद, कमंडल की राजनीति के पुरोधा लालकृष्ण आडवाणी समेत पांच राष्ट्रीय हस्तियों को यह सम्मान देने की घोषणा की है। कमोबेश 2024 को 'भारत-रत्न वर्ष' घोषित कर देना चाहिए, क्योंकि बीते चार सालों के दौरान किसी भी शख्सियत को 'भारत-रत्न' नहीं आंका गया। बेशक हमें कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि यह सरकार का विशेषाधिकार और अपना विश्लेषण है कि किसे 'भारत-रत्न' दिया जाए। तटस्थता और मूल्यांकन की ईमानदारी यही है कि प्रधानमंत्री ने भाजपा-संघ परिवार के शीर्षस्थ नेता आडवाणी के अलावा उन चार महान चेहरों को 'भारत-रत्न' के लिए चुना है, जो उनके राजनीतिक, वैचारिक विरोधी पक्ष के रहे हैं। डॉ. स्वामीनाथन तो गैर-राजनीतिक जमात के हैं। ये तीन 'भारत-रत्न' आज हमारे बीच में नहीं हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि वे प्रासंगिक नहीं हैं। चरण सिंह आज भी 'किसानों के मसीहा' हैं।

उन्होंने जमींदारी प्रथा खत्म की, भूमि सुधार किए और किसानों को खेती का अर्थशास्त्र समझाते रहे। देश में आपातकाल के बाद 1977 में जो प्रथम गैर-कांग्रेसी, जनता पार्टी की सरकार बनी, चौधरी उसके रचनाकारों में थे। वह सरकार में गृहमंत्री भी रहे। 1979 में वह तत्कालीन कांग्रेस के समर्थन से देश के प्रधानमंत्री बने। इसे विडंबना या दुर्भाग्य कहें कि कुछ ही दिनों में समर्थन मोहभंग में तबदील हो गया। उसके कई कारण थे, जिन पर कई किताबें लिखी जा चुकी हैं। जमीनी राजनीति का चेहरा चरण सिंह ऐसे प्रधानमंत्री साबित हुए, जो संसद में विश्वास-मत हासिल करने नहीं जा पाए। 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद पीवी नरसिम्हा राव को कांग्रेस की अल्पमत सरकार का प्रधानमंत्री बनाया गया, तो एकबारगी देश चौंक उठा था। बेशक उनका राजनीतिक आयाम बहुरंगी, विस्तृत था, लेकिन वह राजनीति से रिटायरमेंट घोषित कर चुके थे। बहरहाल तब देश के आर्थिक हालात बेहद खस्ता थे। सोना तक गिरवी रखना पड़ा था। विदेशी मुद्रा भंडार मात्र 1 अरब डॉलर का था। खाद्यान्न संकट था। देश में लालफीताशाही और इंस्पेक्टर राज का ही वर्चस्व था। उस दौर में नरसिम्हा राव ने अपने 'विजन' से इतिहास रच दिया। वह आर्थिक सुधारों, उदारीकरण और भारत को बहुराष्ट्रीय बाजार बनाने में कामयाब रहे। उनके वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने प्रधानमंत्री के 'विजन' को मूर्त रूप दिया। नरसिम्हा राव ने ही बुनियादी जमीन तैयार की, जिस पर आज भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। विश्व की ऐसी कोई बड़ी, बहुराष्ट्रीय कंपनी नहीं है, जिसका दफ्तर भारत में न हो और भारत उसके देश में मौजूद न हो। तीसरा अमूल्य 'रत्न' एमएस स्वामीनाथन हैं। आज जब भी किसानों का कोई भी मुद्दा उठता है, तो स्वामीनाथन आयोग की रपट लागू करने के आग्रह किए जाते हैं। स्वामीनाथन ने गेहूं, चावल, आलू आदि के क्षेत्र में ऐसे अनुसंधान किए कि आज भारत में खाद्य सुरक्षा की स्थितियां हैं। खाद्यान्न के भंडार भरे हैं, लेकिन आज भी औसत किसान सम्पन्न नहीं है। अलबत्ता भारत कई फसलों का विश्व में 'प्रमुख उत्पादक' देश है। सारांश यह है कि स्वामीनाथन 'हरित क्रांति' के जनक थे।

राय

विकास की उम्मीद हराम

हिमाचल में विकास को तरसती आंखें आज भी अनिश्चय के संदर्भों में उलझी हैं। जब फोरलेन प्रोजेक्ट ने मंडी का सफर तय किया, लोगों ने जमीन पर बारूद उगा दिया और अब कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के सामने विस्फोट के तौर तरीके बिछा कर सवाल किए जा रहे हैं। लोग तरक्की की फसल काटना चाहते हैं, लेकिन जमीन पर पांव धरने की इजाजत नहीं देते। उन्हें घर की गली तक वाहन चलाने योग्य सडक़ चाहिए, लेकिन अपनी दो इंच जमीन देना गंवारा नहीं। उन्हें चौबीस घंटे पानी और बिजली की आपूर्ति चाहिए, लेकिन न घर के सामने कोई पोल और न ही जमीन से पानी के पाइप गुजरने की मंजूरी देते। लैंड सीलिंग एक्ट ने कई समाज बना दिए। एक वे जो लघु जमींदार थे, उनसे छीनकर जमीन ने एक नए समाज की पैमाइश कर ली। दूसरे वे जिनकी जमीन पर बागीचे खड़े थे, वे अपनी संपत्ति के पूरी तरह मालिक बने रहे। मुजारों में बंटी जमीनों की बोली लगी और मुफ्त के दालान में कृषि योग्य जमीन का मोल तय हो गया। अब जन सुनवाई के मोर्चे पर दलीलें विकास पर इस कद्र भारी हैं कि हिमाचल सिर्फ गुजारे लायक तर्क और मंच के लायक घोषणाएं चुन सकता है। विकास की अपेक्षा में समाज यूं तो राजनीति की चटनी पीस-पीस कर हर बार सत्ता के आशियाने और विपक्ष के खजाने बदल देता है, लेकिन हर सरकार की लागत बढ़ाकर समाज के भीतर सिर्फ फायदे चुनने की तासीर ही पैदा हो रही है। इसी के साथ सामाजिक मंशा में एक स्वघोषित और सियासत से पोषित अतिक्रमण भी है। ऐसा कोई गांव नहीं जहां की सार्वजनिक जमीन पर डाका न पड़ा हो। ऐसा कोई शहर नहीं जहां की संपत्तियों पर कब्जाधारी न हों। जो समाज कूहलें, खड्डें व नाले चुरा सकता हो, उससे सार्वजनिक विकास की उम्मीद करना भी हराम है। ऐसा तब भी हुआ था जब धूमल सरकार ने एविएशन से जुड़ा एसईजेड ऊना में विकसित करके एक बड़े हवाई अड्डे की परिकल्पना की थी। यह इसलिए क्योंकि वहां की सार्वजनिक जमीनों पर अतिक्रमणकारी पनप चुके थे। कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार के भीतर कितनी सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण, कितनी कूहलों और रास्तों की बर्बादी और कितनी लैंड सीलिंग एक्ट से मिली जमीन बिकी है, इसका हिसाब लगाया जाए तो गगल कस्बे में कितने ही एकड़ सार्वजनिक भूमि निकल आएगी। एक सर्वेक्षण यह कर लें कि प्रस्तावित एयरपोर्ट की जमीन में कितने बंजर खेत, कितने नए भवन, कितने आवारा पशु और इस इलाके के बाजारों में कितना स्थानीय अनाज बिकता है। हैरानी यह कि हिमाचल में अब कोई ऐसी भूमि नहीं जो हमें भरपेट खिला सके। एयरपोर्ट विस्तार के भीतर खड़ी दुकानों में बाहरी राज्यों से आई दूध की थैलियां, आटे और चावल की बोरियां और तेल की बोतलें बताती हैं कि अब एक दिन बाहरी राज्यों से आपूर्ति न हो तो सारे चूल्हे ठंडे हो जाएंगे। इतना ही नहीं, एयरपोर्ट विस्तार के क्षेत्र में सरकारी व अन्य रोजगार का विश्लेषण करें ताकि मालूम हो कि अब हल की जोत कितनी बची है। बेशक कांगड़ा एयरपोर्ट पुनर्वास के मानक एक नया अध्याय जोडऩा चाहते हैं। पुनर्वास की बेहतर तस्वीर के तहत काम के बदले काम, व्यापार के बदले व्यापार और आवास के बदले आवास मिलना चाहिए, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि सामाजिक सौदेबाजी में विकास का अर्थ गुम हो जाए। बेशक कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की रूपरेखा में आ रहे व्यापारिक संस्थानों को भविष्य की चिंता है, लेकिन इन कस्बों में सडक़ों को निगल चुके वाहनों या बाजारों तक बिछ गए दुकान के सामान ने कौनसा सदाचार पैदा किया है। बहरहाल जन सुनवाई के शोर में विकास मुजरिम है, सरहद के हिसाब से हर पैमाइश दुश्मन है। विकास दुश्मन है, अगर इसकी जरूरत हमारे आंगन की मिट्टी से मुलाकात करे।

शव संवाद-30

बुद्धिजीवी अपनी कमियां छिपाने के लिए अकेले में संवाद, अकेले में प्रयास और अकेले में प्रवास करता है। दुनिया में इसीलिए कुछ ऐसे काम निश्चित हो गए जिन्हें पूरा करने के लिए बुद्धिजीवी होना जरूरी माना गया है। मसलन देश की ऐसी बातों, तथ्यों, संकल्पों और परिस्थितियों पर विचार करने के लिए बुद्धिजीवी होना जरूरी है, वरना जिन विषयों पर सरकारें गौर नहीं फरमातीं, वहां क्यों कोई चोंच मारता। बुद्धिजीवी अपने आप में और अपने आप से एक टकराव है। हर कहीं सिर मारना उसकी फितरत है, फिर भी वह न तो देश के लिए कीमती है और न ही समाज के लिए। उसे देश के अंदाज से तकलीफ है। उसे हर चुनाव से आशा है और अपनी हर आशा में चुनाव दिखाई देता है। वह जिसे चाहता है और जैसा चाहता है, उसे देश नहीं चाहता और न ही देश का मीडिया चाहता। वह जहां देश को खोखलापन देखता है, वहां वोट बैंक मजबूत हो जाता है। बुद्धिजीवी की लड़ाई राजनीति से है, फिर भी उसे लगता है कि एक दिन सियासत से ऊपर देश और देश के खातिर सिर्फ राजनीति ही होगी। वह हर चुनाव के कारण अपनी बुद्धि पर भरोसा नहीं कर पा रहा है। वह नेताओं की जीत में अपनी हार कबूल करते-करते यह मान चुका है कि हर चुनाव के लिए उसके मत को ही शक की निगाह से देखा जाएगा। अपनी उधेड़बुन में बुद्धिजीवी ने अपना नाम बदल कर देखा। उसने अपने नाम के साथ राम जोड़ कर देखा, लेकिन देश वैसा ही रहा। अगली बार वह इकबाल हो गया, तो दुनिया इसी में उलझ गई कि उसकी दाढ़ी में इकबाल सिंह छुपा है या वह इकबाल कुरैशी सरीखा लगता है।

चुनाव हर बार उसे घूरता है, लेकिन बिना नोटिस किए आगे बढ़ता रहा है। उसने अपना मत दिया। ईमानदारी और विश्वास से दिया, लेकिन चुनाव उसके कारण था ही नहीं। चुनाव से पहले नेता जीत रहे थे, पार्टी जीत रही थी। बुद्धिजीवी जीत का यह पाठ्यक्रम पढ़ नहीं पाया कि उसके मत के बिना राजनीति एकतरफा जीत कैसे गई। उसे न तो ईवीएम पर शक हुआ और न ही अपने मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक हुआ, संदेह खुद पर था कि वह लोकतंत्र में कैसे अपनी सांस खींच और छोड़ रहा है। तभी उसने देखा पिछला चुनाव लंबी सांसें लेता हुआ उसके पास से गुजर रहा था। एक बार उसे लगा देश का चुनाव और बुद्धिजीवी एक जैसे ही हैं। दोनों हार रहे हैं, लेकिन नेता जीत रहे हैं। चुनाव की पीठ छिली हुई थी। उसके जख्मों पर देश का नमक यह सिद्ध कर रहा था कि कितने नमक हलाल बचे हैं। वह कराह रहा था। वह आने वाले चुनाव से डर रहा था। उन घोषणाओं और वादों से डर रहा था, जिन्हें ढो-ढो कर उसका यह हाल हुआ। उसे सत्ता से कोई गिला नहीं, लेकिन विपक्ष से रंज है। यह इसलिए कि उसकी बर्बादी में विपक्ष का हाथ है। विपक्ष मान ले कि चुनाव अब उसे नहीं ढो सकता, तो न देश का नमक उसके घावों पर आएगा और न ही हार के जख्म उसे सताएंगे। बुद्धिजीवी पहली बार साक्षात चुनाव के दर्शन कर रहा था, लेकिन उसकी हैसियत देखकर हैरान था कि देश इतने कमजोर और जख्मी चुनाव से अपनी रक्षा की उम्मीद कर भी कैसे रहा है। चुनाव फूट-फूट कर कहने लगा, 'मैं अपने ही परिणाम से हार रहा हूं। मैं चलता हूं तो बहस यह होती है कि मैं चल नहीं सकता।

मैं स्वतंत्र भारत में स्वतंत्रता के मजमून लिए कब से चल रहा हूं, लेकिन कोई मेरी चाल बदल रहा, तो कोई मेरी खाल का रंग बदल देता है। मैं बदलना नहीं जानता, लेकिन जो दल बदल देते वे मेरे नैन नक्श बदल देते। मेरी हिम्मत नहीं कि सिर्फ एक पार्टी को ही चार सौ सीटों तक ले जाऊं, लेकिन मुझे बिना वजह वहां तक पहुंचाया जा रहा है।' वह यह कह कर जोर-जोर से हांफने लगा। चुनाव का दम घुट रहा था और अंत में उसने बुद्धिजीवी के हाथों में दम तोड़ दिया। तभी सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ता वहां पहुंच गए। उन्होंने बुद्धिजीवी को चुनाव की हत्या का दोषी मान लिया। इस चुनाव की हत्या के लिए भी बुद्धिजीवी को पीटा गया। तब तक बुद्धिजीवी को मालूम हो चुका था कि इस बार चुनाव की हत्या की जांच ईडी और सीबीआई ही करेगी। अगले चुनाव तक बुद्धिजीवी की जांच शुरू हो गई है, देखें अब चुनाव में उसके दोष किसे जीत दिलाते हैं। -क्रमशः

निर्मल असो

विचार

लोकसभा चुनावों के लिए दलों की तैयारियां

हिमाचल में विधिवत चुनाव की घोषणा से पहले ही तैयारियां शुरू हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, जो राज्यसभा के सदस्य भी हैं और उनका राज्यसभा का कार्यकाल भी खत्म होने को है, चाहें तो लोकसभा का चुनाव मंडी संसदीय क्षेत्र से लड़ सकते हैं, क्योंकि मंडी सीट अभी कांग्रेस के पास है। यहां पर भाजपा को एक मजबूत नेता चाहिए'

अयोध्या में भव्य राम मंदिर में 22 जनवरी 2024 को श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा ने पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी के लिए एक ऐसे संदेश का काम किया है, जिससे लोगों का पार्टी के प्रति और उनके वादों के प्रति विश्वास और बढ़ गया है। देश में 18वीं लोकसभा के लिए चुनावों की घोषणा शीघ्र ही हो सकती है। भारतीय जनता पार्टी चुनाव के लिए तैयार है, ऐसा लग रहा है। पार्टी का नया नारा है 'अबकी बार 400 पार, तीसरी बार मोदी सरकार'। यह नारा अपने आप में पार्टी की जनता के बीच मजबूत स्थिति को बयां करता है। 22 जनवरी को भगवान श्री राम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा या उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का दौरा शुरू कर दिया है, लेकिन इससे पूर्व, देश के गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा राज्यों का दौरा शुरू कर चुके हैं। अयोध्या नगरी की पूरी काया पलट हो गई है। भव्य एयरपोर्ट, रेलवे जंक्शन और सडक़ों को नया जीवन प्रदान किया गया है। भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव में किए हुए वादों को निभाने का पूरा प्रयास किया है।

श्री राम मंदिर का मुद्दा सबसे प्रमुख था, जो करोड़ों भारतीयों की धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ है। भारतीय जनता पार्टी या नेशनल डेमोक्रेटिक अलायन्स को इसका चुनाव में भरपूर लाभ मिल सकता है। उधर कांग्रेस पार्टी और देश के दूसरे राजनीतिक दलों का गठबंधन, जिसे इंडि अलायन्स का नाम दिया गया है, अभी तक आपसी मतभेदों को सुलझाने में लगा है। ममता बनर्जी और नीतीश कुमार बहुत सी बातों को लेकर अंदर ही अंदर क्षुब्ध हैं। जैसे-जैसे चुनावों की घोषणा का समय नजदीक आएगा, इनमें कलह और बढ़ती जाएगी। 2023 में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को अभूतपूर्व विजय मिली जिससे पार्टी का उत्साह और भी बढ़ गया है। उधर दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी को राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी सरकारें खोनी पड़ी। मध्यप्रदेश में कांग्रेस पार्टी को सत्ता वापस मिलने की पूरी उम्मीद थी, लेकिन जनता ने उन्हें सीधे-सीधे अस्वीकार कर दिया। इन विधानसभा चुनावों के नतीजों से यह स्पष्ट हो गया कि मतदाता भारतीय जनता पार्टी से पूरी तरह खुश हैं। वर्ष 2024 भारत के लिए निर्णायक वर्ष है, क्योंकि इस वर्ष 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव होंगे। इन चुनावों की घोषणा कभी भी हो सकती है। इसी तरह अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए भी चुनाव इसी साल होने हैं। 2014 से केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व विजय इस बात का सबूत है कि लोग केंद्र में एक सुदृढ़ सरकार को लेकर एकमत हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में की गई घोषणाओं और वादों को निभाया है। चाहे वह महंगाई और बेरोजगारी को लेकर इतनी आक्रामक नहीं रही, लेकिन राम मंदिर का वादा उन्होंने निभा दिया, धारा 370 को हटाना, देश में आंतरिक सुरक्षा के नए मापदंड कायम करना और संसार में भारत देश का नाम इज्जत से लिया जाने लगा है। उसका सारा श्रेय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है।

18वीं लोकसभा के लिए 543 सीटों के लिए चुनाव होंगे। आंध्र प्रदेश में 42, मध्यप्रदेश में 29, बिहार में 40, महाराष्ट्र में 48, पश्चिम बंगाल में 42, कर्नाटक में 28, उत्तर प्रदेश में 80 और राजस्थान में 25, केरल में 20 और

गुजरात में 26 सीटें हैं जो बहुत निर्णायक हैं। बाकी के राज्यों में सीटों का अनुपात कम है। बहुत सालों से यह देखा गया है कि जो पार्टी उत्तर प्रदेश में चुनाव जीत लेती है, केंद्र में उसकी सरकार बनती है। यह कई बार साबित भी हो चुका है। नेशनल डेमोक्रेटिक अलायन्स को इन राज्यों में अपनी बढ़त हासिल करनी होगी। इसलिए यह नारा कि अबकी बार 400 पार, तीसरी बार मोदी सरकार, दिया गया है। उधर इंडि अलायन्स की यह कोशिश रहेगी कि मोदी सरकार की हैट्रिक न बनने दी जाए। इसी बात को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश और बिहार में बड़ी संख्या में अपने उमीदवार चुनाव में उतारेगी ताकि भारतीय जनता पार्टी के आंकड़ों को बिगाड़ा जा सके। पश्चिम बंगाल में 42 सीटों पर मुकाबला होना है। भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस की सीधी टक्कर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और देश के गृह मंत्री अमित शाह ने ग्रास रूट स्तर पर पिछले कई सालों से कार्य शुरू किया था और उसे अब भी उतनी ही गंभीरता से किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में, जिन्हें हिंदी बेल्ट या काऊ बेल्ट भी कहा जाता है, भारतीय जनता पार्टी को श्री राम मंदिर निर्माण जनता को समर्पित करने का पूरा लाभ मिलेगा। श्री राम हिंदुओं की आस्था का विषय हैं।

उधर हिमाचल में विधिवत चुनाव की घोषणा से पहले ही तैयारियां शुरू हो गयी हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, जो राज्यसभा के सदस्य भी हैं और उनका राज्यसभा का कार्यकाल भी खत्म होने को है, चाहें तो लोकसभा का चुनाव मंडी संसदीय क्षेत्र से लड़ सकते हैं, क्योंकि मंडी सीट अभी कांग्रेस के पास है। यहां पर एक मजबूत नेता चाहिए जो भारी बहुमतों से यह सीट जीत सके। कांग्रेस का भी पूरा प्रयास रहेगा इस सीट को जीतने का। दक्षिण भारत में चुनाव के अलग परिणाम हो सकते हैं इस बार। तेलंगाना में भले ही कांग्रेस पार्टी की सरकार बन गई हो, लेकिन भारतीय जनता पार्टी को बढ़त हासिल हो सकती है। बिहार में क्योंकि आपसी कलह ज्यादा है, हो सकता है गठबंधन कुछ सीटों पर समीकरण बिगाड़ दे। इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य केंद्र में नेशनल डेमोक्रेटिक अलायन्स की सरकार को तीसरी बार सत्ता हासिल करने से रोकना है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एनडीए में आने से मुकाबला रोचक होगा। कुल मिलाकर कहें तो इस बार लोकसभा के लिए कड़ी टक्कर होगी।

रमेश पठानिया

लोकल से ग्लोबल हुआ भारत का यूपीआई, इन देशों में हो रहा इस्तेमाल; अब तक कुछ ऐसा रहा इसका सफर

परिवहन विशेष न्यूज

भारत का डिजिटल पेमेंट सिस्टम UPI (Unified Payments Interface) अब देश के साथ विदेश पहुंच गया है। फ्रांस के बाद पड़ोसी देश श्रीलंका और मॉरिशस में भारतीय यूजर्स यूपीआई के जरिए आसानी से पेमेंट कर पाएंगे। भारत में यूपीआई की शुरुआत साल 2016 में हुई थी। इस डिजिटल पेमेंट सिस्टम को नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ऑपरेट करता है।

नई दिल्ली। UPI (Unified Payments Interface) बीते सालों में ऐसा भारतीय इनोवेशन रहा है, जिसने वैश्विक स्तर पर सुर्खियां बटोरी हैं। आज भारत में गांव से लेकर शहरों में रुपये के लेने-देने के लिए यूपीआई का इस्तेमाल किया जाता है। देश ही नहीं बल्कि विदेशों में अब यूपीआई को यूज कर पाएंगे। फ्रांस के बाद अब पड़ोसी देश श्रीलंका और मॉरिशस में यूजर्स यूपीआई के जरिए ट्रांसजैक्शन कर पाएंगे।

2016 में शुरू हुआ UPI

भारत ने साल 2016 में डिजिटल पेमेंट ट्रांसजैक्शन UPI को पेश किया था, जिसका संचालन नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) करता है। इस सर्विस ने रुपये के ऑनलाइन लेन-देन को काफी आसान बना दिया।

यूजर्स रियल टाइम में एक दूसरे के अकाउंट में रुपया ट्रांसफर कर सकते हैं। यही कारण है कि लोगों के बीच यह काफी लोकप्रिय है। यूपीआई के जरिए 18.23 लाख करोड़ रुपये का ट्रांसजैक्शन किया गया। पिछले साल 2022 की समान अवधि से यह करीब 54 प्रतिशत अधिक है।

इन देशों ने अपनाया UPI

पिछले हफ्ते ही फ्रांस ने एलान किया था एफिल टावर देखने आने वाले भारतीय पर्यटक यूपीआई पेमेंट कर टिकट खरीद पाएंगे। अब श्रीलंका और मॉरिशस में भी यूजर्स यूपीआई से पेमेंट कर पाएंगे।

यूपीआई अपनाने वाले देशों में संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, नेपाल और भूटान में भी एक्टिव है। इसके साथ ही रूस के साथ भारत सरकार UPI के इस्तेमाल को लेकर एग्रीमेंट साइन कर चुकी है। वहीं, इंडोनेशिया, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका के साथ इसे लेकर बातचीत चल रही है।

गूगल का मिला साथ

नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) और गूगल ने बीते दिनों संयुक्त बयान जारी कर बताया कि दोनों मिलकर विदेश में यूपीआई पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए मिल कर काम कर रहे हैं।

गूगल के साथ रणनीतिक साझेदारी विदेश में भारतीयों के लिए ट्रांसजैक्शन को सरल बनाएगी। इसके साथ ही हम दूसरे देशों में यूपीआई को मजबूती के साथ शुरू कर पाएंगे। इसके साथ ही विदेश में भारतीयों को विदेशी मुद्रा और क्रेडिट या विदेशी मुद्रा कार्ड पर निर्भरता कम होगी।

रितेश शुक्ला, सीईओ एनपीसीआई

UPI से जुड़ी खास बातें

UPI से रुपये ट्रांसफर करने के लिए पेमेंट एप जैसे - BHIM, PhonePe, GPay जैसे ऐप की मदद से यूजर्स रियल टाइम में रुपये ट्रांसफर कर सकते हैं।

अगर किसी यूजर के पास एक से ज्यादा बैंक अकाउंट हैं तो वे उस एप में सभी अकाउंट लिंक कर सकते हैं।

यूपीआई के जरिए पैसा भेजने के लिए फोन नंबर, अकाउंट नंबर और UPI ID की जरूरत होती है।

बदल गए सोने-चांदी के दाम, चेक करें आपके शहर में क्या है लेटेस्ट

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की सिरीज खुल गई है। अगर आप डिजिटल गोल्ड में निवेश का सोच रहे हैं तो आप इसमें निवेश कर सकते हैं। अगर आप फिजिकल गोल्ड यानी कि कोई सोने की ज्वेलरी खरीदने का सोच रहे हैं तो आपको एक बार अपने शहर के लेटेस्ट रेट जरूर चेक करना चाहिए। बता दें कि सोने-चांदी के ताजा रेट जारी हो गए हैं।

नई दिल्ली। देश में सोना-चांदी खरीदना काफी शुभ माना जाता है। इसके अलावा यह निवेश के लिए भी काफी अच्छा ऑप्शन है।

अगर आप सस्ता और डिजिटल गोल्ड खरीदने का सोच रहे हैं तो बता दें कि केंद्रीय बैंक (RBI) द्वारा शुरू सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम (Soverign Gold Bond Scheme) की सीरिज आज से खुल गई है। इसमें आप सस्ता गोल्ड खरीद सकते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन गोल्ड खरीदने पर आपको डिस्काउंट भी मिलेगा।

वहीं, अगर आप फिजिकल गोल्ड यानी कोई ज्वेलरी खरीदने का सोच रहे हैं तो आपको एक बार अपने शहर के लेटेस्ट रेट जरूर चेक करने चाहिए।

यह भी पढ़ें- Gold Investment: फिजिकल गोल्ड के अलावा इन तरीकों से भी कर सकते हैं सोने में निवेश, ठगे जाने की नहीं होगी चिंता

आपके शहर में क्या है गोल्ड का रेट

दिल्ली में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,100 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,950 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,950 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,600 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,950 रुपये है।

हैदराबाद में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,950 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,100 रुपये है।

जयपुर में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,100 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 63,000 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 63,100 रुपये है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना 2023-24 सीरीज-4 आज से खुल गई है। यह स्कीम 16 फरवरी 2024 को बंद होगी। इस स्कीम में निवेशक 6,263 रुपये प्रति ग्राम में गोल्ड खरीद सकते हैं। ऑनलाइन सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड खरीदने पर 50 रुपये प्रति ग्राम पर डिस्काउंट मिलता है।

ओमरान ने श्रीराम अस्पताल को सौंपे संसाधन, श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

शुक्रवार को कंपनी के एमडी टेटेसुया यमादा ने श्रीराम अस्पताल में श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक उपकरणों को भेजा है जिन्हें मुख्य अतिथि महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथि अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डा. पवन कुमार अरुण तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संजय जैन को एक कार्यक्रम में सौंपा गया।

नई दिल्ली। राममंदिर निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा के बाद से रामनगरी में श्रद्धालुओं की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को दृष्टिगत रखते हुए दैनिक जागरण की पहल पर ओमरान कंपनी ने हाथ बढाये हैं।

श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

शुक्रवार को कंपनी के एमडी टेटेसुया यमादा ने श्रीराम अस्पताल में श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक उपकरणों को भेजा है, जिन्हें मुख्य अतिथि महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथि अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डा. पवन कुमार अरुण तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संजय जैन को एक कार्यक्रम में सौंपा गया।

इन उपकरणों का किया गया प्रबंध

महापौर, एडी व सीएमओ ने दैनिक जागरण तथा कंपनी के एमडी का आभार व्यक्त किया। दैनिक जागरण के अनुत्तम सेन ने बताया कि रामनगरी में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखकर 'हर हृदय में बसते हैं श्रीराम, हर हृदय की सुरक्षा हमारा काम' को ध्यान में रखते हुए उनकी सुविधा के लिए प्रयास चल रहा है।

उसी को ध्यान में रखते हुए श्रीराम अस्पताल में हार्ट अटैक की जांच के लिए आधुनिक इसीजी मशीन, बीपी, शुगर सहित कई अन्य प्रकार की मशीनों को दान स्वरूप उपलब्ध कराया गया है, जिससे अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को जांच के लिए संसाधनों की कमी का सामना न करना पड़े और उनकी तत्काल अच्छी मशीनों से जांच हो सके।

कार्यक्रम में मौजूद थे ये लोग

कार्यक्रम का संचालन अंकुर भट्ट ने किया। इस दौरान अस्पताल के सीएमएस डा. राकेश शर्मा, डा. आरपी सागर, डा. गौरव श्रीवास्तव, वाईपी सिंह, कंपनी की तरफ से अजीत सिंह चौहान, भानुप्रिया, अभिषेक रैना, संजेश चौहान सहित मौजूद रहे।

शीर्ष 500 निजी कंपनियों का मूल्यांकन देश के जीडीपी का 71 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज अब भी टॉप पर

सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज 15.65 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ लगातार तीसरे साल शीर्ष स्थान पर बनी हुई है। आरआइएल का मूल्यांकन दूसरे स्थान की कंपनी टीसीएस से करीब तीन लाख करोड़ रुपये अधिक है। एचडीएफसी बैंक 10 लाख करोड़ रुपये के बाजार मूल्यांकन के साथ तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गया है।

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआइएल) की अगुआई में देश में निजी क्षेत्र की शीर्ष 500 कंपनियों का मूल्यांकन 2,800 अरब डालर या 231 लाख करोड़ रुपये है। यह राशि सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर के सामूहिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से अधिक है। साथ ही यह राशि भारत के जीडीपी का करीब 71 प्रतिशत है।

HDFC बनी तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी

हुरुन इंडिया-एक्सिस बैंक-2023 की सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज 15.65 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ लगातार तीसरे साल शीर्ष स्थान पर बनी हुई है। आरआइएल का मूल्यांकन दूसरे स्थान की कंपनी टीसीएस से करीब तीन लाख करोड़ रुपये अधिक है। एचडीएफसी बैंक 10 लाख करोड़ रुपये के बाजार मूल्यांकन के साथ तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गया है।

सार्वजनिक क्षेत्र की और विदेशी कंपनियां नहीं हैं शामिल

सूची में 52 कंपनियां एक दशक से भी कम पुरानी हैं और सबसे पुरानी कंपनी ईआइडी-पैरी (235 साल) है। निजी क्षेत्र की शीर्ष 500 कंपनियों की सूची में सूचीबद्ध और

गैर-सूचीबद्ध दोनों कंपनियां शामिल हैं। इनमें हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां और विदेशी कंपनियां शामिल नहीं हैं।

70 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार देती हैं ये कंपनियां

हुरुन इंडिया के प्रबंध निदेशक अनस रहमान जुनैद ने कहा कि इन कंपनियों ने वर्ष में 13 प्रतिशत की बिक्री वृद्धि दर्ज की है और उनकी संयुक्त बिक्री 952 अरब डालर है। एक्सिस बैंक के प्रबंध निदेशक अमिताभ चौधरी ने कहा कि ये कंपनियां 1.3 प्रतिशत या 70 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देती हैं।

हीं होगा पेटीएम पर जारी निर्देश में कोई बदलाव, ग्राहकों की सुरक्षा का रखा जाएगा ख्याल : आरबीआई गवर्नर

परिवहन विशेष न्यूज

सोमवार को नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए आरबीआई गर्वनर ने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ लिए गए फैसले की समीक्षा की गुंजाइश ना के बराबर है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आरबीआई व्यापक मूल्यांकन के बाद ही विनियमित संस्थाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई करता है। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। पेटीएम पेमेंट बैंक को लेकर आरबीआइ की तरफ से पिछले दिनों जारी दिशानिर्देश काफी सोच-समझ कर और व्यापक विमर्श के बाद उठाया गया कदम है और इसमें संशोधन करने या बदलाव करने की कोई गुंजाइश नहीं है। यह बात आरबीआइ के गवर्नर डॉ. शक्तिकांत दास ने कही। उन्होंने कहा कि पेटीएम के ग्राहकों की सुरक्षा आरबीआइ के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है और इसके लिए जल्द ही एक एफएक्यू (अक्सर पूछे जाने वाले सवाल) जारी किये जाएंगे जिसमें पेटीएम से जुड़ी हर स्थिति को स्पष्ट किया जाएगा।

कयासों का दौर समाप्त

आरबीआइ की तरफ इस स्पष्टीकरण आने के बाद बाजार में पेटीएम से जुड़े निर्देशों में बदलाव को लेकर जो कयास लगाये जा रहे थे वह अब समाप्त हो गये हैं। साथ ही इसने देश की इस बड़ी फिनटेक कंपनी के भविष्य को लेकर कुछ गंभीर सवाल फिर से पैदा कर दिया है। अब देखना होगा कि पेटीएम पेमेंट बैंक की तरफ से अपने संस्थान को बचाने के लिए क्या विकल्प पेश किया जाता है।

क्या है मामला?

31 जनवरी, 2024 को आरबीआइ ने पेटीएम पेमेंट बैंक (पीपीबी) को 29 फरवरी, 2024 के बाद से कोई भी नया ग्राहक जोड़ने, मौजूदा ग्राहकों के खाते में नई राशि डालने, फास्टटैग, वैलेट्स में पैसे जोड़ने से मना कर दिया था।

फिनटेक को बढ़ावा देने को लेकर रिजर्व बैंक दृढ़

आरबीआइ गवर्नर अंतरिम बजट के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ होने वाली सेंट्रल बोर्ड की बैठक में हिस्सा लेने के लिए आये हुए थे। बोर्ड की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि, "मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि पेटीएम पेमेंट बैंक को लेकर जो निर्देश जारी किया गया था उसकी कई समीक्षा नहीं की जाएगी। लेकिन फिनटेक को बढ़ावा देने को लेकर केंद्रीय बैंक पहले की तरह ही दृढ़ है। साथ ही वित्ती स्थिरता को लेकर भी आरबीआइ सतर्क है व ग्राहकों के हितों को लेकर भी।"

FAQ जारी करने ही तैयारी

यह पूछे जाने पर कि आरबीआइ के निर्देश के बाद ग्राहकों के बीच जो अनिश्चितता है उसको लेकर क्या कदम उठाया जाएगा तो उनका जवाब था कि, "इसके लिए एफएक्यू जारी किया जा रहा है, उससे सभी कुछ स्पष्ट हो जाएगा। लेकिन हम ग्राहकों के हितों को लेकर बहुत ही गंभीर है।"

आरबीआइ की तरफ से यह तो नहीं बताया गया है कि उसने किस आधार पर पेटीएम के खिलाफ उक्त कार्रवाई की है लेकिन जो जानकारी विश्वस्त अधिकारियों ने दी है उसके मुताबिक लगातार केंद्रीय बैंक की तरफ से ताकीद करने के बावजूद कंपनी ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जिससे यह भरोसा हो सके कि वह आरबीआइ के हर नियम का पालन करने को लेकर गंभीर है। एक-एक ग्राहक के नाम पर कई बैंक खाता होने या एक ही पैन कार्ड से कई बैंक खाते के संबंधित होने को आरबीआइ ने काफी गंभीरता से लिया है।

बहरहाल, उधर पेटीएम से जुड़े लोग बता रहे हैं कि कंपनी की तरफ से भी कारोबार जारी रखने के दूसरे विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। वर्ष 2021 में कंपनी ने शेयर बाजार से 8,300 करोड़ रुपये जुटाये थे। इसमें से 2,000 करोड़ रुपये की राशि एक विशेष कोष में रखी गई है जिसका इस्तेमाल कंपनी मौजूदा संकट काल में कर सकती है।

महंगाई के मोर्चे पर राहत, जनवरी में 5.10 फीसदी रही CPI; दिसंबर में औद्योगिक उत्पादन भी बढ़ा

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वियन मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार भारत की खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में सालाना आधार पर घटकर 5.10 प्रतिशत हो गई जो दिसंबर में चार महीने के उच्चतम 5.69 प्रतिशत पर थी। ये संख्या भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के २-६ प्रतिशत के टोलरेंस बैंड के भीतर बनी हुई है। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में मामूली नरमी से जनवरी की खुदरा महंगाई दर 5.1 प्रतिशत रही जबकि गत दिसंबर में यह दर 5.69 प्रतिशत थी। जनवरी में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर 8.30 प्रतिशत रही जबकि गत दिसंबर में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 9.53 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। हालांकि दाल व सब्जी की खुदरा कीमतों में अब भी काफी बढ़ोतरी दिख रही है।

भाजपा के गांव चलो अभियान के तहत सुरास ग्राम पहुंचे जिलाध्यक्ष मेवाड़ा, विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर किया रात्रि विश्राम

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश भर में चलाए जा रहे गांव चलो अभियान के तहत प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा अपने एकदिवसीय प्रवास पर मांडल विधानसभा अंतर्गत सुरास ग्राम पहुंचे एवं विभिन्न गतिविधियों एवं बैठकों में भाग लेकर रात्रि विश्राम भी किया। इस अवसर पर मांडल विधायक उदयलाल भडाना भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव में केंद्र में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की स्थिर सरकार बनाने एवं केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के लक्ष्य को लेकर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे गांव चलो अभियान के तहत जिले के समस्त जनप्रतिनिधि भाजपा पदाधिकारी एवं वरिष्ठ नेता गांव में प्रवास एवं रात्रि विश्राम कर रहे है। इसी क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने मांडल विधानसभा अंतर्गत सुरास ग्राम में एकदिवसीय प्रवास एवं रात्रि विश्राम किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने अपने प्रवास के दौरान विगत दिनों गोलीकांड में घायल भाजपा कार्यकर्ता राजू दरोगा के घर पहुंचकर मुलाकात की एवं कुशलक्षेम पूछकर परिजनों को न्याय का भरोसा भी दिलाया। इसके अलावा उन्होंने स्थानीय बूथ समिति की बैठक भी ली एवं मतदाता सूची एवं व्हाट्सएप ग्रुप के निरीक्षण के साथ नव मतदाता बनाने, विकसित भारत के ब्रांड एंबेसडर बनाने सहित पिछले लोकसभा चुनाव में स्थानीय स्तर पर पार्टी की स्थिति की समीक्षा के साथ ही उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं ग्रामवासियों को केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी और सरल एवं नमो ऐप भी डाउनलोड करवाई। इसके अलावा जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, गांव के वरिष्ठ जनों, विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, व्यापारियों आदि से भी मुलाकात की एवं स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली।

उन्होंने इस अवसर पर सुरास ग्राम स्थित हनुमान मंदिर, ओढ़ों का खेड़ा माताजी मंदिर एवं चारभुजा नाथ मंदिर में दर्शन कर स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई का कार्य भी किया। मेवाड़ा बैरवा मोहल्ले, भीलों के मोहल्ले भी पहुंचे और समस्याओं की जानकारी ली। भाजपा जिलाध्यक्ष मेवाड़ा के प्रवास के दौरान जिला कोषाध्यक्ष ललित अग्रवाल, मांडल ग्रामीण मंडल अध्यक्ष भेरूलाल गाडरी, सरपंच महेंद्र पाल सिंह, वार्ड पंच शिवलाल गाडरी, विश्वनाथ प्रताप सिंह, दिनेश शर्मा सहित स्थानीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माही बीज महोत्सव के पावन अवसर पर क्रिकेट ग्राउंड का शुभारम्भ भामाशाहों का सम्मान समारोह

हैदराबाद। अलियाबाद स्थिति सीरवी शिक्षा समिति प्लॉट पर सीरवी समाज पारसीगुटा, सीरवी शिक्षा समिति व महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित माघ सुदी बीज महोत्सव के पावन अवसर पर क्रिकेट ग्राउंड का शुभारम्भ, भामाशाहों का सम्मान समारोह, भोजन - प्रसादी व श्री आईमाता वडेर पारसीगुटा में जागरण कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष जे. सी. चोलाराम हाम्बड़, सचिव किशनसिंह राठौड़, कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, सचिव सजनराज सोलंकी, महिला मंडल अध्यक्षा सीतादेवी सोलंकी, सचिव निर्मला देवड़ा, तेजाराम सोलंकी, अगराराम चोयल, पूर्व अध्यक्ष भुराराम चोयल, पूर्व अध्यक्ष जसराज सोलंकी, पूर्व उपाध्यक्ष ओकाराम सोलंकी, ढगलाराम सेपटा, कार्यकरणी पदाधिकारी व समाज बन्धुओं भी उपस्थित रहे।

नरेगा योजना में स्वीकृति जारी नहीं होने के कारण श्रमिकों को रोजगार नहीं मिल रहा है

पाली सोजत ग्राम पंचायत रेपडावास हनुमान राम देवासी हापत ने बताया कि महात्मा गांधी नरेगा योजना में कार्य की मांग को लेकर सोमवार को कस्बे ग्रामीण एवं नरेगा श्रमिक ने विधानसभा का सबसे लास्ट गांव होने के कारण पंचायत में 1 साल से योजना में नहीं होने के कारण श्रमिकों को रोजगार नहीं मिल रहे हैं ग्राम पंचायत में वर्तमान 2100एक्टिव श्रमिक है और 3500 जॉब कार्ड ग्राम पंचायत द्वारा बनाए गए हैं जनप्रतिनिधियों की उदय के चलते करीबन 1 साल से नरेगा योजना में स्वीकृत नहीं होने के कारण जरूर मत श्रमिकों को रोजगार नहीं मिल रहा है पंचायत में कर्मचारियों से बात करने से बताया कि बजट नहीं मिल रहा है योजना नहीं आ रही है नरेगा में कार्य की स्वीकृति को लेकर करीबन 4 महीना से बात करते हैं अधिकारियों से मांग की जा रही है लेकिन अवगत करवाया विभाग के अधिकारियों को जबकि ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव करीबन 10 कार्यों पर भेजा है स्वीकृति को लेकर लंबे समय से नहीं मिली स्वीकृति लंबे समय से नरेगा योजना में सिवकुरती जारी नहीं होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी जरूरतमंद श्रमिकों को हो रही है समय को देखते हुए जल्द चालू करवा ग्राम पंचायत रेपडावास राजस्व गांव हापत गोदेलाव सोजत।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का भीलवाड़ा आगमन पर भाजपा ने किया स्वागत, अभिनंदन

राजस्थान विधानसभा की देश में विशिष्ट गरिमा और पहचान है - देवनानी

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का जयपुर से उदयपुर जाते समय अल्प प्रवास पर स्थानीय सर्किट हाउस में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के नेतृत्व एवं सांसद सुभाष बहेडिया के सान्निध्य में भव्य स्वागत, अभिनंदन किया गया। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने विधानसभा अध्यक्ष से भाजपा पदाधिकारियों का परिचय कराते हुए पार्टी गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर मीडिया से रूबरू होते हुए देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा की देश में विशिष्ट गरिमा और पहचान रही है।

वर्तमान में विधानसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चल रही है। जिसे डिजिटल प्लेटफार्म पर यूट्यूब चैनल के माध्यम से देखा जा सकता है। जल्द ही व्हाट्सएप चैनल भी शुरू करने की योजना है। वही डिजिटलाइजेशन की ओर कदम बढ़ाते हुए विधानसभा की कार्यवाही सौ प्रतिशत पेपरलेस होने की ओर अग्रसर है। इसी के साथ विधानसभा परिसर में हेल्प डेस्क की स्थापना की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। स्वागत एवं अभिनंदन के अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद त्रिपाठी, बाबूलाल आचार्य, मंजू चेचाणी, जिला महामंत्री भगवतीप्रसाद जोशी, जिला मंत्री गोपाल तेली, अमित सारस्वत, सुरेंद्र सिंह मोटरास, जिला कोषाध्यक्ष ललित अग्रवाल, जिलाध्यक्ष कार्यालय संयोजक मनोज बुलानी, मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह जादौन, घनश्याम सिंगीवाल, मोर्चा अध्यक्ष मंजू पालीवाल, कुलदीप शर्मा, इमरान कायमखानी, राजेश सेन, मुकेश चेचाणी, सुमित्रा पोरवाल, आरती कोगटा, मंजू पंचोली, भरतसिंह राठौड़, गोपाल सोनी, कैलाश सोनी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संस्था प्रधानों की दो दिवसीय सत्रांत वॉक पीठ का शुभारंभ

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा। ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संस्था प्रधानों की दो दिवसीय वाक पीठ का शुभारंभ सोमवार को जहाजपुर रोड स्थित सेन धर्मशाला में किया गया

मुख्य अतिथि के रूप में शाहपुरा बनेड़ा विधायक लालाराम बैरवा विशिष्ठ अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी रामेश्वर जी बाल्दी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारका प्रसाद पारीक अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भंवरलाल बलाई ओएसडी कर्नाटक राज्यपाल शंकर गुर्जर भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष शंकर गुर्जर भाजपा नगर अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा जिला उपाध्यक्ष भाजपा अविनाश जीनगर नगर उपाध्यक्ष महावीर सैनी पूर्व प्रधान बजरंग सिंह राणावत जिला परिषद सदस्य शिवराज कुमावत डाबला कचरा सरपंच मीना देवी धाकड़ पंचायत शिक्षा अधिकारी डाबला कचरा विजय सिंह नरूका मौजूद रहे।

आयोजित विद्यालय राजकीय प्राथमिक विद्यालय बंजारों का चोपड़ा डाबला कचरा की संस्था प्रधान चंदा सुवालका का ने सभी का स्वागत किया वाकपीठ के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश वैष्णव ने वाकपीठ के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी विभिन्न विषयों पर संस्था प्रधानों ने अपनी-अपनी वार्ता प्रस्तुत की इसमें अपरांत के सत्र में समूह चर्चा का कार्यक्रम किया गया उद्घाटन समारोह में वक्ताओं ने सभी संस्था प्रधानों से राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की क्रियान्वित में सक्रिय सहयोग का आह्वान करते हुए विद्यालय में शैक्षिक उन्नयन के माहौल के लिए भी सक्रिय सहयोग करें वॉक पीठ में प्रथम दिन सुनीता समदानी नवरत्न शर्मा चंद्र प्रकाश शर्मा मुकेश कुमावत ने अपनी वार्ता प्रस्तुत की कार्यक्रम का मंच संचालन दिनेश जांगिड़ और सुनीता समदानी ने किया वॉकपीठ व्यवस्था में महेश कुमार शर्मा अमर सिंह चौहान नयन बुला राजेश मीणा सुनैना कंवर सच्चिदानंद टेलर सुनील दत्त शर्मा रामकिशन कुमावत चंद्र प्रकाश शर्मा मृदुला गोठवाल सीमा चौधरी घीसालाल ने सहयोग किया, कार्यक्रम में आदित्य सुवालका नेभामाशाहों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रोजेक्टर के माध्यम से संस्था प्रधानों को विभिन्न विद्यालय कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक तथा जिला स्तरीय जन सुनवाई गुरुवार 15 फ़रवरी को

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा, शाहपुरा। जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की नियमित मासिक बैठक तथा संपर्क समाधान शिविर के अन्तर्गत जिला स्तरीय जनसुनवाई दिनांक 15 फ़रवरीगुरुवार को प्रातः 11 बजे जिला कलेक्टरेट सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेन्स के माध्यम से आयोजित की जायेगी।जिला स्तरीय जनसुनवाई शिविर में संपर्क पोर्टल पर 06 माह से अधिक समयावधि के लंबित परिवादी के निस्तारण की समीक्षा की जाएगी।

एक पखवाड़े से बन्द पड़ा उपस्वास्थ्य केंद्र, रोगियों को मुनासिब नहीं हो रहा उपचार

बागोर क्षेत्र के पीथास उपस्वास्थ्य केंद्र पर 16 दिनों से लटके पड़े हैं ताले, शाम ढलते ही शराबियों का लग जाता हैं

परिवहन विशेष न्यूज

भीलवाड़ा। बागोर एक तरफ राजस्थान में भजन लाल शर्मा की सरकार नित नए महकमें में जाकर ओचक निरीक्षण कर चिकित्सा सेवा सहित सभी तरह की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने को प्रयासरत हैं तो दूसरी तरफ विभागीय लापरवाही के चलते बागोर क्षेत्र के पीथास ग्राम स्थित उपस्वास्थ्य केंद्र पर पिछले 16 दिनों से ताले लगे पड़े हैं। नतीजन रोगियों को उपचार मुनासिब नहीं हो पा रहा वही ताले लटके होने से शाम ढलते ही शराबियों, नसेड़ियों का जमावड़ा भी लग जाता हैं। एक तो उपचार नहीं मिलना दूसरा शराबियों का जमावड़ा दोनों ही मोटे कारणों से ग्रामीण को भारी परेसानी उठानी पड़ रही हैं।

पीथास के ग्रामीणों ने बताया कि यहां ग्राम में स्थित उपस्वास्थ्य केंद्र विगत एक पखवाड़े से बंद पड़ा होने के कारण पिथास सहित आसपास क्षेत्र के लगने वाले ढाणी, मजरों के सैकड़ों रोगियों को इलाज के लिए उधर उधर भटकना पड़ रहा हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि उपस्वास्थ्य केंद्र पर स्टॉफ नहीं होने के अभाव में 16 दिनों से उपस्वास्थ्य केंद्र पर ताला लगा हुआ हैं। और यहां पर कार्यरत मेल नर्स हनुमान सामरिया का पिछले डेढ़ माह पूर्व सड़क हादसे में पैर फ्रैक्चर होने के कारण वो चिकित्सकीय परामर्श के चलते रेस्ट पर चल रहे हैं। साथ ही यहां पर कार्यरत एएनएम सीता हरिजन के भी जीएनएम ट्रेनिंग में चल जाने के बाद से पद रिक्त पड़ा हुआ हैं। जिसके चलते वर्तमान में उपस्वास्थ्य केंद्र पर कोई अधिकृत नर्सिंग स्टॉफ नहीं होने की वजह से गर्भवती महिलाओं सहित अन्य मौसमी बीमारियों के सैकड़ो मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं।

पीथास के ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक उदय लाल भड़ाणा सहित जिला चिकित्सा प्रशासन से मांग की हैं कि उपस्वास्थ्य केंद्र पर अविलम्ब स्टॉफ भेज कर चिकित्सा व्यवस्था को सुव्यवस्थित की जाए ताकि रोगियों को प्राथमिकता के साथ समय पर सही उपचार मिल सके।

-इस मामले में इनका कहना हैं।

1:- मैंरा उपस्वास्थ्य केंद्र पर ड्यूटी आते वक्त 2 जनवरी की सुबह कौहरा होने के कारण पीथास ग्राम के पास ही एक्सीडेंट हो गया था। जिसमें पांव फ्रेक्चर होने के कारण डॉक्टर की सलाह से रेस्ट पर हूँ। और सम्बंधित अधिकारीयों को अवगत करवा चुका हूँ।

हनुमान सामरिया
मेलनर्स
पीथास

2:- मैंरा जीएनएम ट्रेनिंग में नम्बर आने से मुझे 28 जनवरी को रिलीव कर दिया था। तब से मैं पीथास नहीं हूँ।

सीता हरिजन
एएनएम

3:- अधिकारीयों से मिले दिशा निर्देश के चलते मैं केवल टीकाकरण कर रही हूँ। जबकि मैंरा सब सेंटर अलग हैं।

प्रेम शर्मा
एएनएम

4:- एएनएम के जीएनएम की ट्रेनिंग में जाने और मेलनर्स के फ्रेक्चर होने से ऐसा हुआ हैं। एक दो दिन में स्टॉफ की व्यवस्था कर चिकित्सा सेवाएं सुचारू करवाता हूँ फिलहाल मैं अवकाश पर हूँ।

रामलाल चौधरी
ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी

24वां भक्त सम्मेलन श्री श्री निगमानंद शांति आश्रम में आयोजित किया गया है।

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा, भुबनेश्वर : ढेंकनाल जिले के भुबन ब्लॉक अंतर्गत भुसाल पंचायत के श्री श्री ठाकुर निगमानंद परमहंस देव का २४ वां भक्ति सम्मेलन आश्रमाध्यक्षा श्रीमती महामाया सरस्वती के नेतृत्व में ९/२/२०२४ से 11/२/२०२४ तक तीन दिनों के लिए आयोजित किया गया है। सत्य उपदेश और ब्रह्मज्ञान में जीवन की सेवा। इस भक्ति सम्मेलन की शुरुआत महामान्य बाबा पूज्यपाद सामी त्रिगुणानंद सरस्वती ने की थी. श्री श्री ठाकुर निगमानंद सरस्वती परमहंसदेव के भक्ति सम्मेलन में आयोजन समिति के नेतृत्व में उचिला के विभिन्न हिस्सों से भक्तों की भीड़ उमड़ी थी. बैठक का आयोजन इस प्रकार था. विभिन्न कार्यक्रमों के साथ अच्छी तरह से आयोजन किया जाता है और पूजा की जाती है। प्रथम चरण में धर्मसभा एवं दोपहर में आमसभा के साथ आनंद सभा हुई।अंतिम दिन महिला सभा हुई। इस सम्मेलन के प्रत्येक दिन संत एवं अन्य लोगों द्वारा प्रवचन एवं भगवत वचनों से श्रद्धालुओं का मनोरंजन किया गया। भक्ति सभा सभी समिति सदस्यों एवं भूषाल ग्रामवासियों के सहयोग से शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

ज़िला कलेक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कुशल रणनीति अपनाने को लेकर विभागीय अधिकारियो को दिए निर्देश

आमजन की समस्याओं का करें त्वरित एवं संतुष्टिपूर्ण निस्तारण, नहीं चलेगी लेटलतीफी, समय पर हो फाइलों का निस्तारण

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। शाहपुरा जिला कलक्टर टीकम चन्द बोहरा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संपर्क पोर्टल पर विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में ज़िला कलेक्टर बोहरा ने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्वों की पालना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से जनसुनवाई सुनिश्चित करने, परिवादों के त्वरित निस्तारण, उनकी मॉनिटरिंग करने तथा फीडबैक लेने के निर्देश दिए।

नियमित जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं का करें समाधान

बैठक में ज़िला कलेक्टर बोहरा ने निर्देश दिए कि संपर्क पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का पूर्ण संतुष्टि के साथ त्वरित निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि सभी जिला स्तरीय अधिकारी नियमित रूप से जनसुनवाई करें और आमजन की समस्याओं का मौके पर ही निदान करना सुनिश्चित करें।

समय-समय पर चिकित्सालयों व विद्यालयों का हो औचक निरीक्षण

बोहरा ने कहा कि विद्यालयों और चिकित्सालयों में स्वच्छता संबंधी जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्यालयों, अस्पतालों तथा शिक्षण संस्थानों में सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए और समय-समय पर औचक निरीक्षण किया जाए।

जिला कलक्टर बोहरा ने बिजली विभाग, नगर परिषद, कृषि, पशुपालन, सहकारिता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, पीएचईडी, चिकित्सा विभाग, कृषि, उद्यानिकी सहित अन्य विभागों के संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को लंबित प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के दिशा-निर्देश दिए। साथ ही कहा कि संपर्क पोर्टल पर किए गए निस्तारण की समीक्षा की जाएगी और अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी।

आयुष्मान भारत की ईकेवाईसी शत-प्रतिशत पूर्ण करने के दिए निर्देश

जिला कलक्टर बोहरा ने बैठक में सीएमएचओ घनश्याम चावला को जिले में ई-केवाईसी तथा आयुष्मान चिरंजीवी कार्ड वितरण के निर्धारित

लक्ष्यों को समयावधि में शत-प्रतिशत पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

ज़िले में ई मित्रों का नियमानुसार संचालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियो को दिये आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश

ज़िला कलेक्टर बोहरा ने ज़िले में संचालित हो रहे ई मित्रों के संबंध में डीओआईटी विभाग से विस्तार में चर्चा की तथा आमजन के हितों को ध्यान में रखते हुए ई मित्रों के कुशल संचालन हेतु निरंतर आकस्मिक निरीक्षण करते रहने तथा अनउपयुक्त गतिविधि पाये जाने पर ई मित्र का लाइसेंस रद्द करने के निर्देश दिये।जिला कलक्टर बोहरा ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को पेंशन वेरिफिकेशन के पेंडिंग प्रकरणों को एसडीएम और शहरी क्षेत्रों में नगर निकायों के सहयोग से शत प्रतिशत करवाने के लिए निर्देशित किया। जिला कलक्टर ने कृषि विभाग को जिले में मॉडल फार्म विकसित करने और उन्नत कृषि को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने उद्यानिकी विभाग के अधिकारी को फार्म पौंड और अन्य योजनाओं ने अनुदान राशि में विलंब न करने के लिए निर्देशित किया।

जिला कलक्टर बोहरा ने विभागीय अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि वे साप्ताहिक समीक्षा बैठक में निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने विभाग की प्रगति, अनुपालना रिपोर्ट के साथ स्वयं उपस्थित होना सुनिश्चित करें, इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

इस अवसर पर अतिरिक्त ज़िला कलेक्टर मुकेश कुमार मीणा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

जय श्री महादेव कामधेनु गौ सेवा व कबुतर सेवा ट्रस्ट महादेव नगर हापत

विधायक महोदय जी शोभा जी चौहान

अत्यंत खुशी के साथ आपको सूचित किया जाता है कि हमारे गांव हापत में भामाशाह का जनसेवक से हमने बहुत कार्य करवाए हैं और क्यों नहीं हमारे को गवर्नमेंट का फायदा मिलता है हमारे गांव में पानी की बहुत कमी है पानी की टंकी बनी हुई है लेकिन पाइपलाइन अभी तक घर-घर नल पाइप नहीं पहुंचा है क्या वजह है क्या कारण है ठेकेदार की लापरवाही है या कोई गवर्नमेंट के कर्मचारियों की लापरवाही है क्यों नहीं हो रहा है काम और आपके द्वारा की हुई बोरवेल अभी तक उसे बोरवेल पर पंप वगैरा नहीं लगा है लोग बोल रहे हैं कि घर-घर जल योजना आएगी कब तक क्योंकि हमारा पाली जिला का लास्ट गांव होने के नाते मूलभूत सुविधा से हमें असंतुलित होना पड़ रहा है नहीं तो हमारे गांव में गवर्नमेंट की ओर से कोई व्यवस्था मिल रही है नहीं रोड की व्यवस्था भी नाही हे हमारे गांव में देश आजाद होने के बाद एक ही रोड बना हुआ है क्यों है ऐसा और ग्रामीणों को रोजगार के लिए नरेगा भी नहीं चल रही है आपको याद दिलाते हुए हमें बहुत दुख हो रहा है अब उच्च अधिकारियों से बात कर रहे और हमे। समस्त क्षेत्र वासियों को संतुष्ट करें आपका अपना हनुमान देवासी रेपडावास राजस्व गांव हापत

जय श्री महादेव कामधेनु गौ सेवा व कबुतर सेवा ट्रस्ट महादेव नगर हापत 6361520168 Google play Nambar

सेवा हि धर्म है भाई यो

महादेव नगर हापत पोस्ट रेपडावास तहसील सोजत पाली

6361520168

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com

(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। **Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**